RNI Regd. No. GUJMUL/2016/68324
साल-९, अंक-८, पृष्ठ-४०, मूल्य-₹२५, दिनांक : ०१-जनवरी-२०२४
Year-9, Issue-8, Page - 40, Price : ₹25, Date : 01-January-2024

# CRIME FORCE

...... *Always Alert, To Stop The Crime*

सत्यमेव जयते

## क्या अब सामने आयेगा हल्दीघाटी युध्ध का सच ?

देश मे बिना रोकटोक चल रहा है पोर्न फिल्म बनाने का करोडो का काला घंघा...!

# RADHIKA

CRAFTING ETERNAL ELEGANCE

## ELEVATE YOUR BRIDAL TALE

JEWELS FOR A PROGRESSIVE YOU

- TIMELESS DESIGNS
- WIDEST GOLD COLLECTION
- UNMATCHED WORKMANSHIP
- HALLMARK GOLD JEWELLERY

Flagship Showroom

Kalawad Road, Rajkot. +91 96245 31000

Branch

Palace Road, Rajkot. +91 89806 40000

RNI Regd. No. GUJMUL/2016/68324
साल-९, अंक-८, पृष्ठ-४०, मूल्य-₹२५,
दिनांक : ०१-जनवरी-२०२४
"CRIME FORCE"
(Monthly) Volume - 9, Issue-8,
01-January-2024 Page - 40

**Ranjitsinh Jadav**
Owner / Publisher / Printer
Mo. : 098250 63283

**Hrishikesh Borse**
Chief Editor
Mo. : 091371 31739

**Vijay Sanathara**
Editor
Mo. : 075750 55333

**Satish Solanki**
Sub Editor
Mo. : 092746 76760

# तंत्री स्थानसे...

## पधार रहे हे, रामलल्ला...
## ...अब फिर से सजेगा राम दरबार

सदीयो के इन्तजार के बाद देश के करोडो लोगो कि आस्था की जीत हुई हौ 15 वी सदी में मुगलोने राम जन्मभूमि पर एक मस्जीद, बाबरी मस्जीद का निर्माण किया था। हिन्दुओ का मानना है कि ये मस्जीद का निर्माण एक हिन्दु मस्जीद को खंडित करने के बाद किया गया था। 1850 के दशक में ही यह विवाद हिंसक रूप से सामने आया था। ये लडाई बहुत साल से चल रही थी।

ये विवाद का हिंसक रूप डिसम्बर 1992 में बढ गया, जब बाबरी मस्जीद का विध्वंस हुआ। विभिन्न शीर्षक और कानूनी विवाद भी हुए, जेसे कि अयोध्या अध्यादेश, 1993 में निश्चित क्षेत्र के अधिग्रहण का मार्ग। 2019 अयोध्या विवाद पर उच्चतम न्यायालय का निर्णय किया गया कि विवादित भूमि को सरकार द्वारा गठित एक ट्रस्ट को सोंप दिया जाये। ये गठित ट्रस्ट श्री राम जन्म भूमि तीर्थक्षेत्र था। फरवरी 2020 में संसद में घोषणा कि गई थी कि द्धितीय मोदी मन्त्रालयने मंदिर निर्माण कि एक योजना को स्वीकार कर लिया है। राम मंदिर के लिए डिजाइन 1988 में अहमदाबाद के सोमपुरा परिवार द्धारा तैयार किया गया था। सोमपुरा परिवार कम से कम 15 प्रक्रिया से दुनियाभरके 100 से अधिक मंदिरो के डिझाईन का हिस्सा रहा है। श्री राम मंदिर 235 फिट चौडा, 350 फिट लंबा और 161 फिट ऊंचा है। 5 अगष्ट 2020 को भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदीने भूमिपूजन अनुष्ठान किया गया था और मंदिर का निर्माण आरंभ हुआ था।

अब जब श्री राम लल्ला कि मुर्ति का प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव की तारीख 22/01/2024 को तय कि गइ है तबसे पूरे देश में और विदेशस्थित करोडो हिन्दुओ में अनहद खुशी का माहोल देखने को मिल रहा है। अयोध्या नगरी को पूराने श्री राजा राम के प्रदेश की तरह ही सजाया जा रहा है। इसी तरह करोडो हिन्दुओ की आस्था का विजय हुआ है और सदीयों के इन्तेजार के बाद ..... श्री राम लल्ला पधार रहे है, अब फीरसे सजेगा राम दरबार।

**जयश्री राम ...**

## मुख्य कार्यालय

राज कोम्प्लेक्ष, स्टार प्लाझा के सामने, फुलछाब चौक,
राजकोट - ३६० ००१.
**Website :** www.crimeforce.in, **E-mail :** crimeforce9@gmail.com

सालाना लवाजम
भारत में : ₹ ३००/-
विदेश में : ₹ २०००/-

| London (U.K.) Bureau Office | Maharashtra Bureau Office | Mumbai Bureau Office | Surat Bureau Office | Ahmedabad Bureau Office |
| --- | --- | --- | --- | --- |
| Nishant K. Jani<br>Mo. +44 7999470980<br>43 Bowrons Ave, Wembley, HA0 4QS London (U.K.) | Hrishikesh M. Borse<br>Mo. + 09137131739<br>Chetan V. Solanki<br>Mo. + 096642 78700<br>First Floor, Dhan Mension, Opera House, Mumbai - 400 004 | Akash P. Shah<br>Mo. + 096196 70007<br>Arham Group<br>Office No. - 24, First Floor 110-Kakakuwa Bldg. 3rd Bhoiwada Corner, Bhuleshwar Mumbai - 400 002. | Babulal H. Sojitra<br>Mo. + 099980 33650<br>ABC -1, Office No. 320, ABC Circle, Mota Varachha, Surat - 394101 | Hitesh P. Prajapati<br>Mo. + 084600 03121<br>Parth P. Shah<br>Mo. + 097269 06767<br>328 Sangath Mall, Opp. Vishwakarma Engg. Collage, Motera, Sabarmati, Ahmedabad - 380 005 |

CRIME FORCE HELPLINE No. : 092746 76760

# अनुक्रमणिका...


राजकीय... 05

इतिहास के पन्नो से... 08

हेट-स्टोरी... 10

सट्टे का खेल... 13

आर्थर रोड जेल... 23

रेड अेलर्ट... 26

अनसंग हिरो... 29

स्वास्थ्य... 33

मुंबई के अंडरवर्ल्ड की खोफनाक बातें... 35

# मोदी मेजिक : 'मोदी की गेरन्टी' पर महोर

जिसकी हम राह देख रहे थे और पुरे देश और दुनिया की निगाहे जिस पर टीकी हुई थी वो पल आ गई, देश मैं पांच राज्यो की विधानसभाओ का चुनाव हो गये और उनके नतीजे भी आ गये । राजस्थान, मध्यप्रदेश, और छतीसगढ, तेलंगना और मिझोरम के चुनाव के नतीजे मे राजस्थान, मध्यप्रदेश, और छतीसगढ मे बी.जे.पी. को प्रचंड बहुमती हांसिल हुआ, तेलंगना मे कोंग्रेस ने बाजी मारी, एक तरफ राहुल गांधी की भारत जोडो यात्रा और दुसरी और सब विपक्षोका I.N.D.I.A. के नाम से गठबंधन का संयोजन होना । राजस्थान, मध्यप्रदेश और छतीसगढ राज्यो मे से राजस्थान और छतीसगढ मे कोंग्रेस की सरकारे थी थोडे समय पहले ऐसा लग रहा था कि, राहुल गांधी की भारत जोडो यात्रा से उसकी छबी मे सुधार आया है । और राहुल गांधी लोगो की बीच जाकर अपनी वोट बेंक मजबुत करेंगे लेकिन ऐसा हुआ नही । चुनाव से पहले विपक्ष एक होकर कह रहे थे की अबकी बार राजस्थान और छतीसगढ राज्यो मैं हमारी सरकारे है और हम सरकारो को बरकरार रखेंगे और मध्यप्रदेश मे बी.जे.पी. की सरकार की जगह हमारी सरकार बनेगी लेकिन नतीजे बिलकुल विपरीत आये और मध्यप्रदेश मैं बी.जे.पी. ने पहलेवाले चुनाव से भी ज्यादा बेठके जीतकर अपनी ताकात दिखाई तो दुसरी और राजस्थान और छतीसगढ मे भी प्रचंड बहुमती हांसिल करके ये दोनो राज्यो को कोंग्रेस के हाथो से छिन लिया । टी.वी. में अेक्झिट पोल मे सभी चेनलो मे ये दिखाया जाता था कि मध्य प्रदेश मे बी.जे.पी. की सरकार बनेगी और राजस्थान मे कोंग्रेस की सरकार होगी मतलब कँाटेका मुकाबला होगा, छतीसगढ मे तो ये सब पोलो मे कोंग्रेस की सरकार बनेगी ऐसा अनुमान दिखाया था ।

**राजकीय...**

रणजीतसिंह जादव

तो फिर ऐसा क्या हो गया ? ऐसा कौन सा मैजिक और चमत्कार हुआ कि, ये तीनो राज्यो मे बी.जे.पी. को स्पष्ट बहुमती मिली ? अशोक गेहलोत और सभी विपक्षी दल के नेता ये मानने को तैयार नही है की ये कैसे नतीजे आये और उसको अब तक मालुम नहि पडा की ये क्या हो गया । लेकिन धीरे-धीरे विपक्षी दलो के नेताओ का बयान आने लगा और किसीने कहा की ये 'मोदी मैजिक' है । तो किसी ने कहँा की इ.वी.अेम. मे गडबडी की वजह से ऐसे नतीजे आये । विपक्षी दलो को लगता था कि, हमारा आइ.अेन.डी.आई.ए. के गठबंधन से ये चुनाव हमारे पक्षमे रहेगा । लेकिन उन सब लोगो का दावा उल्टा हो गया ।

ये I.N.D.I.A. नामका गठबंधन बना वो सही है लेकिन एक समय मैं उसमें सामिल होनेवाले विपक्षी दलो आपस मे एक - दुसरे को कोसते थे, किसी के बीच सही तरीके से गठबंधन हुआ ही नही । सब विपक्षी दलो एकमात्र उदेश - 'मोदी को भगाओ' की वजह से एकत्रित हुई थे । कईबार ऐसा हुआ की I.N.D.I.A. गठबंधन मैं कई मुदो पर भी सहमति नही बनी तो फिर ये गठबंधन किस कामका ? और गठबंधन बनने के बाद शुरू में ही ये विवाद पैदा हो गया था कि, 2024 मे लोकसभा चुनाव हम जीतेंगे तो प्रधानमंत्री कौन होगा ? और सब दलो के लोग अपने अपने नेता को प्रधानमंत्री का उमेदवार बताने लगे ।

देश की जनता भी होशियार है

और वो ये भी जानते है कि, ऐसे धमंडीया गठबंधन को वोट दे के क्या फायदा जिसका मक्सद देश को अच्छी और स्थिर सरकार देने का नहि है, सिर्फ मोदी को हटाना है। ये गठबंधन के पास कोई ऐसा ठोस मुदा भी नही है, जो जनता को अपनी तरह खिंच शके और अखबारो या टी.वी. मे हमेशा ये गठबंधन के दलो का आपस मे लडाई करते हुए और एक दुसरे के विरोध मै निवेदन देने की घटनाये दिखाई जाती है।

अभी वापिस मुल बात पर आते है। मध्यप्रदेश में शिवराजसिंह बहुत हि लोकप्रिय नेता है ओर उसने अपने राज्यो में कही प्रजालक्षी योजनाअे बनाई है और उसकी अमलवारी कराई है। महिला शस्त्रीकरण केलिए राज्य में कही योजनाअे बनाकर महिलाओ में वो लोकप्रिय हो गये है। उसने भी प्रतिमांह **1250** रूपये कि 'लाडली बहन ' योजना यह चुनाव में गेम चेन्जर साबित हुई है। क्युकि **22.18** लाख नये मतदाताओ में से **11.50** लाख **18** से **19** साल कि महिला मतदाताअे थी। उस में **18** से **60** साल की आयु कि महिलाओ को सामिल किया गया है। उस में से ज्यादातर नये मतदाताये थे और करार आधारित **2.50** लाख कर्मचारीओ को नौकरी में स्थायी किया गया है।

राजस्थान में चुनाव मे मोदी विरूध्ध गेहलोत होने से कोंग्रेस को बहुत बडा नुकशान हुआ। दूसरी बात करे तो गेहलोत – पायलट के बिच में चल रहे आंतर कलह को लेकर गुर्जरो के बहुमत वाली **37** बेठको पर विपरीत असर पडा, पेपर लीक और 'लाल डायरी' का मुद्दा राज्य में विकास के मुद्दे से ज्यादा असरदार निकला और कोंग्रेस के अनुमान से विपरीत नतीजे आये और कही उमेदवार को टिकिट न मिलने से ऐसे बागी लोगोने कोंग्रेस की वोट बेंक को भारी नुकशान पहुँचाया।

छतिसगढ कि बात करे तो **BJP** को एक मुद्दा 'महतारी वंदन योजना' में **12000** रूपये की सालाना आर्थिक मदद का दिया गया बचन वहाँ मतदारो को दिल में उतर गया और कोंग्रेस को करारी हार मिली। महादेव बेटींग एप्प का भ्रष्ट्राचार का मुदा भी मुख्यमंत्री बधेल को भारी पड गया। बधेलने चुनाव जीतने के लिए निःशुल्क शिक्षण और बिजली का दिया हुआ बचन भी उसकी सरकार को नही बचा पाये।

तेलंगना में देखे तो वहां पे **KCR** सरकार विरूध्ध जो परिस्थितियाँ बनी थी उतके कारण वहां पे कोंग्रेस को लोगोने विकल्प के रूप में चुना है। वेसे भी वहाँ पे **BJP** की जीत की कोई अपेक्षा नही थी फिर भी यह चुनाव में **BJP** ने **8** बेठके हासिल की जो गत चुनाव से **7** ज्यादा है।

राहुल गांधी और कोंग्रेस ध्वारा चलाये गये जाति आधारीत जनगणना अभियान को किसीने नही सराहा और **BJP** को एक अैसा मजबुत मुदा मिल गया कि उसने वे मुद्दे को पकड के कहा की देश को जाति आधारीत जन गणना से नुकशान होगा और देश का जाति आधारीत प्रदेशो में विभाजन हो जायेगा। जो देश के हित में नही है।

और ये चुनाव के नतीजे में सब से असरदार और मतदाताओ के दिल छूने वाली बात है। 'मोदी की गेरेंटी'। स्पष्ट हिन्दुवादी विचारधारा, देशप्रेम, देश का विकास, देश के गरीब, आदिवासी, बिछडी जाती के लोगो का विकास जैसी बाते लोगो के मन में बस गई। ईसके सामने कोंग्रेस और विपक्षो के पास एसी कोई बात नही थी सिर्फ मुफ्त मे देनेवाळी सवलते और बस 'मोदी को हराओ' मुद्दे से जो लोगो को पसंद नही आया। और प्रजा भी देखती है कि **2014** से जब से **BJP** सरकार केन्द्र मे आई है और नरेन्द्र मोदी देश के प्रधानमंत्री बने है तबसे देश में सभी क्षेत्रो में विकास हुआ है। देश की प्रजा ये भी जानती है कि नरेन्द्र मोदी को भ्रष्ट्राचार या परिवार वाद से सख्त नफरत है और उनके दिल में सिर्फ यही बात हमेंशा रहती है कि मेरा देश और देशवासीओ का सर्वांगी विकास कैसे हो।

थोडे समय पहले ऐसा लगता था की राजस्थान और मध्यप्रदेश में कोंग्रेस का पलडा भारी है वहां जब चुनाव की कमान नरेन्द्र मोदीने संभाली और कम

समय में ज्यादा रेलीयाँ और रोड शो कर के अपने दिल की बात मतदारो के सामने रखकर उनके दिल में अपनी विचारधारा को पहुँचाने में सफळ रहे । तीनो चुनाव जीतकर जब दिल्ही के BJP मुख्यालय 'कमलम्' में नरेन्द्र मोदी को सन्मानीत करने के रखे गये कार्यक्रम में BJP के सभी वरिष्ठ नेता और BJP कार्यकरो के संबोधित करते हुअे उन्होने अपने संबोधन में कहा कि अब हमारी जिम्मेदारी बनती है कि जीते हुए राज्यो में हमे दिल से और कडी महेनत से काम करना होगा और वहाँ की प्रजा को परेशानी से दुर करना है सभी लोगो मे कानून व्यवस्था में विश्वास बैठे वेसा माहोल बनाना है और भ्रष्ट्राचार को मिटाना है, येभी बताया कि प्रजा है तो हमारी सरकार ओर प्रजा कि सवलत और सुखाकारी के लिये जो भी कदम उठाना पडे वह हम उठायेंगे । राज्यो में से भ्रष्ट्राचार मिटाना है । विपक्षो को संबोधित करते हुए यह भी कहा की आप अभी भी सुधर जाओ और सरकार की देश हित की योजनाओ में सहकार दो और देश को विरूध्ध हितवालो से बचाने में सरकार के साथ रहो। देश को विभाजीत करने वाले लोगो को बढावा मत दो। हाँ, सरकार की कोई कमी है तो इसके बारे में विरोध करना जरूरी है और विरोध पक्षो का काम ही यही है कि सरकार कोई गलती करे तो उसका विरोध्ध कर के सरकार को कमी दुर करने के लिए मजबुर करे। देश में

मजबुत विरोध्ध पक्ष होना जरूरी है क्योकि लोकशाही वाले देश में विरोध्ध पक्ष मजबुत न हो तो देश को नुकशान हो शकता है । साफ तौर पे मंच से यभी चेतावणी दी की विपक्षो अभी सुधर जाओ और देश को विभाजीत करने वाली राजनीती ना करो और देश को मजबुत करने के लिए चल रहे विकास कार्य में सहकार दो नही तो अैसा होगा कि देशकी प्रजा ध्वारा आप अपने पक्ष का अस्तित्व ही खो बेठेंगे।

ये तीनो राज्यो में प्रचंड बहुमत मिलने से I.N.D.I.A. गठबंधन में आपस में लडाई चालु हो गई है तो दुसरी ओर नरेन्द्र मोदी सरकार की 2024 लोकसभा चुनाव में जीत का अनुमान अभी से लगाया जाता है , मोदीने अपने संबोधन में 'कमलम् ' के मंच से यह ऐलान भी कर दिया की राज्यो के चुनाव में BJP को मिली सफळता से 2024 लोकसभा चुनाव हमारे लिये आसान हो गये है और हम अगले लोकसभा चुनाव में जीत कि हेट्रीक लगायेंगे।

विधि की करूणता तो देखो की हमारे देश में 70 साल तक राज करनेवाली कोंग्रेस पक्ष में आज कोई अैसा नेता नही दिख रहा है जो फिर से कोंग्रेस को खडी होके मजबुत कर के नरेन्द्र मोदी को टक्कर दे शके। कोंग्रेस पक्ष मे कोई तटस्थ नेता को कोंग्रेस की कमान मिले तो शायद उसमे फायदा होगा क्युकि अभी तक कोंग्रेस की कमान सिर्फ गांधी परिवार के हाथ में ही हे, जो कोंग्रेस के लिए भविष्य में घातक साबित हो शकता है । कोंग्रेस मे अध्यक्ष बनता है वो भी गांधी परिवार की सलाह लेकर ही काम करते है । असल में कोंग्रेस अपने मुळरूप सिंध्धांतो को भुल गई है और राहुल गांधी के आसपास में जो नेता है वह मुलरूप से कोंग्रेसी नही है उनकी विचारधारा अलग है वो राहुल गांधी को अपनी विचार धारा में सामिल करने के लिये प्रयासे कर रहे है जो कोंग्रेस के लिए हानिकारक है । यह चुनाव के नतीजे से I.N.D.I.A. गठबंधन में कोंग्रेस की पकक्ड अब ढीली पड जायेगीं और उसका वर्चस्व यह गठबंधन में कम हो जायेगा। देखते है आगे क्या होगा लेकिन अभी तो देश में सिर्फ 'मोदी की गेरन्टी' चल रही है।

●●●

# क्या है हल्दीघाटी युद्धका असली ईतिहास ?

इतिहास के पन्नो से

विजय साणथरा

हमने पहले कई अंको में आपको भारतीय वंश के कइ ऐसे हिन्दु वीर योद्धाओ और राजा–महाराजाओ के बारे में अवगत किया था जीसने अपने देश को विधर्मीओ के हाथों से बचाया था। समग्र हिन्दुओ को एकत्रीकरण का काम किया था और अनेक भयंकर युद्धों का सामना किया था और देश के लिए अपना प्राण न्योछावर करके बलिदान भी दिया था। लेकिन हमे जो ईतिहास पढा या गया था उसमे ऐसी कोइ बाते नहीं बताई गई थी। इस हिसाब से देखे तो हम और हमारी आगामी पीढीयां सच्चे इतिहास के बारे में कुछ जानते भी नहीं ! इसलिए हमें ईस बारे में कोई एसी खबर या माहिती मिलती है या हम खुद इसके बारे में संशोधन कर के ऐसी बातो को खोज निकाल के आपके सामने रखने का विनम्र प्रयास करते है और करते रहेंगे।

दोस्तो, हमने अपने वीर महाप्रतापी मेवाड के महाराजा महाराणा प्रताप का नाम तो सुना है और उनकी महापराक्रमी गाथा से हमारे हिन्दुत्व को गौरव प्राप्त होता है जो हर कोई हिन्दु माता–पिता उनके बच्चों को महाराणा प्रताप की गौरवगाथा / पराक्रम गाथा सुनाने में गर्व और अभिमान की अनुभूति करते है।

लेकीन अभी अभी भारतीय पूरातत्वविदोने जो खोज निकाला है उसके बारे में आप जानेंगे तो आप भी आश्र्चर्यचकित हो जायेंगे।

राजस्थान का हल्दी घाटी का ऐतिहासिक युद्ध फिर एकबार खबरो में है। अब ईतिहास के पन्नो में वह बात पुरानी हो जायेंगी की ईस युद्ध मे महाराणा प्रताप की सेना को पीछे हटना पडा था। अबतक ईतिहास में हमे यही पढाया जाता रहा है। राजस्थान के राजसमद जिल्ले मे स्थित स्मारक से वह पथ्थर हटाया जाएगा, जिसमें लिखा था कि महाराणा प्रताप की सेना को हल्दी घाटी की जंग से पीछे हटना पडा था। हल्दी घाटी का युद्ध 18 जून 1576 को मेवाड के शासक महाराणा प्रताप और मुगल सम्राट अकबर के बीच लडा गया था। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग ने युद्ध से जुडे कइ शिलालेख हटा लिया है। अब ए.एस.आई की ईस युद्ध पर नया इतिहास लिख रहा है, जिस के पूरा होने पर नए शिलालेख लगाएगा, जिस पर पूरा ईतिहास लिखा होगा। हालांकी ए.एस.आई की ईस कारवाई पर नई बहस फिर से जारी हो गइ है की महाराणा प्रताप और अकबर के बीच लडे गए इस युद्ध मे जीत किस की हुई थी।

दर असल इन शिलालेखो पर लिखी जानकारी में अकबर के सामने मेवाड सेना को कमजोर

बताया गया है । साथ ही ये भी बताया जा रहा है की राष्ट्रीय शैक्षणिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद की किताबों मे हल्दीघाटी की लडाइ की तारीख 18 जून 1576 है जब की पट्टिकाओ पर यह 21 जून 1576 लिखी गइ है । एसे में गलत तथ्यो, बुनियाद मानते हुअे इन शिलालेखो को हटाया गया है। वैसे भी राजपूत व लोकसंगठन लंबे समय से इस की मांग भी कर रहे थे । राजपूतो व मुगलो के बीच हल्दीघाटी में हुइ जीत-हार के बारे में बताने से पहेले आपको जानना जरूरी है कि यह लडाई 18 जून 1576 के मेवाड के राणा प्रताप की सेना और आमेर के महाराजा मानसिंह प्रथम नेतृत्वमें मुगल सम्राट अकबर की सेनाओ के बीच लडी गइ थी। हल्दी घाटी असल में एक दर्रा है। अरावली पर्वत श्रृंखला से गुजरते वही दर्रा, जो राजस्थान में उदयपुर से करीब 40 कि.मी. दूर है। इस दर्रे की मिट्टी हल्दी की तरह पीली है । इसलिए यह जगह का नाम हल्दी घाटी से प्रचलित हुआ। वह राजस्थान मे राजसमंद और पाली जिलो को जोडता है । लडाइ की शुरूआत उस वक्त से हुइ जब अकबर राजपूत क्षेत्रो पर नियंत्रण हांसिल कर के अपने शासनक्षेत्र को बढाने की योजना बना रहा था । उसके ये मक्सद में वो महतम कामयाब भी रहा क्यों की राजस्थान में महाराणा प्रताप के पिता उदयसिंह को छोडकर लगभग सभी प्रमुख राजाओने मुगल वंश को स्वीकार कर लिया था । लेकिन मेवाड के वीर शासक उदयसिंहने घूटने नहीं टेके और डटे रहे। एसे मे अकबरने राज्य विस्तार के लिए अक्टुर 1567 में चित्तोडगढ की घेराबंधी की। राजपूतो को मुगलोने घैर लिया । इसके बाद उदयसिंह को पद छोडना पडा और रक्षा की जिम्मेदारी मेवाड के राजा जयमल को दि गइ, ये युद्ध के दौरान वे वीरगति को प्राप्त हुए । बाद में उदयसिंह ४ साल तक अपनी मृत्यु तक अरावली के जंगलो मे रहे।

उदयसिंह की मृत्यु बाद उनके पुत्र महाराणा प्रतापने मेवाड की कमान संभाली । फिर से अकबरने कइ बार बात की लेकिन महाराणा प्रतापने मुगलो की गुलामी की बात एकबार नहीं मानी और बाद में अकबरने महाराणा प्रताप से युद्ध करने का फैसला किया । ईतिहासकार रिमा हूजाने बताया कि हल्दी घाटी के युद्ध में राजपूतो के संख्या बल का अंदाजा नहीं लगाया जा शकता है, लेकिन मेवाड की सेना, अकबर की सेना के सामने काफी छोटी थी। इसके बाद युद्ध में मेवाड की सेनाको काफी नुकशान भी हुआ। महाराणा प्रतापने अपनी वीरता और साहस से जीवन पर्यंत मुगलो के साथ कइ लडाइ लडी किन्तु उनके सामनें कभी अपने घुटने नहीं टेके।

अब ये बात पे फिर से आते है की हल्दी घाटी के युद्ध में किस की जीत हुइ । इसके पीछे कइ तथ्य है । वहीं दोनों पक्षो का मानना है की जीत उनकी ही हुइ है। ईतिहासकारो के अनुसार कहा गया है कि मेवाडने भी जीत का दावा किया था, क्योकी कोइ आत्मसमर्पण नहीं हुआ था। दुसरी तरफ मुगलोनें भी जीत का दावा किया था, क्रयोंकि वह युद्ध के अंत समय पर मेदान मे थे । इसलिए, ज्यादातर इतिहासकारो इस निष्कर्ष पर पहुँचे कि महाराणा प्रताप की सेना हल्दी घाटी की लडाई में कभी पीछे नही हटी और इस का मतलब है युद्ध महाराणा प्रतापने जीता था। इसके अलावा कइ ऐसे इतिहासकारो भी है, जो दोनो तरफ से अलग अलग तर्क रखते है, एसे में साफ तौर पर किसी की जीत बताना सही नहीं है और हर पक्ष अपनी जीत का गुणगान गाया करते है।

लेकिन एक बात तो तय है की अब हमारी सरकार को यह काम करना पडेगा की जो ईतिहास के पन्नो में दबी हुइ हमारी हिन्दु संस्कृति या हिन्दु राजाओ की वीर गाथाओ है उसको उजागर करे । वैसे भी हमारा हक्क बनता है की हम हमारे बीते हुए युगो में जो हमारे वीर हिन्दु राजाओ और योद्धाओने विधर्मीओसे हमारे देश और संस्कृति को बचाया और योद्धाओने विधर्मीओसे हमारे देश और संस्कृति को बचाने मे अपने प्राणो की आहुति दी है उनके बारे में हम सच बाते जाने और अपनी अगली पीढीओ को ये सब उजागर कर के हिन्दु संस्कृति का सही इतिहास उपलब्ध करे।

**जय हिन्द..... जय भारत.....**

●●●

# देश में जेट गति से रफ्तार पकडता पोर्न फिल्म बनाने का 'काला धंधा'

देश की आर्थिक राजधानी मुंबई, की जहाँ 24 घंटे अविरत कार्यरत रहनेवाले लोग और चकाचोंध रोशनी से झगमगता शहेर, देश के अनेक राज्यो के लोग मुंबई को सपनो का शहर मानते है और अेक बार मुंबई जाने का मिल जाअे तो अपना अहोभाग्य मानते है। मुंबई मतलब मायानगरी ....

मुंबई में विकसीत हुआ फिल्म उधोग 'बोलीवुड' देश के युवा पेढी को अपनी ओर आकर्षित करता है । पुरे देश के राज्यो से युवक-युवतियां इधर अपना नसीब आजमाने के लिये आते है और 'बोलीवुड' का चक्कर काटते है लेकीन उसमें से बहुत ही कम लोगो को सफलता मिलती है और बाकी के जो निष्फल हुअे लोग है उसमें बचती है लाचारी और हताशा और ये परिस्थितीया उसको दोजख जैसी जींदगी जीने के लिये मजबुर करती है । बहुत कम लोग है जो 'बोलीवुड' में निष्फल रहने के बाद भी सही सलामत अपने गाँव अपने वतन वापसी करते है।

इस 'बोलीवुड' आजकाल ड्रग्झ नशाखोरी के दुषण मे फंसा हुआ है बोलीवुड कई सेलीब्रीटीझ जैसे की अेक्टर, अेक्ट्रेस, निर्माता इसके कारण न्युझ में सुर्खिया बटोरते है । ग्लेमर की दुनिया में इसकी साइड इफेक्ट भी रहती है । ये लाइन में असफल रहने वाले युवा पेढी ड्रग्स और नशाखोरी की दुनिया में खो जाते है और कई लोग पोर्न फिल्मो बनानेवाले काले धंधे में परोक्षरूप से सामिल हो जाते है जो गैरकानुनी है।

पोर्न फिल्मो का नाम सामने आते ही बुध्धिजीवी लोग मुँह बिगाड लेते है और इस धंधे के बारे में कुछ बोलना नही चाहते क्योंकि ये पोर्न फिल्मो का धंधा ही इस प्रकार का है।

देश दुनिया में पोर्न फिल्मो बनाने का धंधो अबजो-खर्बो रूपयो की हेरा-फेरी करता है, यहां कभी भी मंदी नही आती बस सतत ये धंधा बढता ही रहता है अेक बार इस धंधे में सामिल होने के बाद कोइ भी बहार नही निकल शकता फीर वो युवान हो या युवति।

वैसे तो कहा जाता है कि मायानगरी मुंबई मे रात ढलते ही दिन निकलता है और रात में कइ सारे उलटे पुलटे धंधे होते है। यहा पे पोर्न फिल्म बनाने का धंधा भी जोर शोर से चलता है । होटलो में और कइ नामी स्टुडियो में अैसी फिल्में बनाइ जाती है । अश्लील फिल्मे देखने के शोखिन लोग बाद में अैसी फिल्मो की DVD या VCD बनाकर देखते है और अपनी

मानसीक विकृतता को शांत करते है।

ये मायानगरी में बार बार अैसे किस्से बनते है की दुसरे राज्यो से आने वाले नव विवाहीत युगल हनीमुन के लिये यहाँ होटलो में ठहरते है तो चोरी छुपे से उसके

**हेट-स्टोरी**

हृषीकेश बोरसे
मुंबई

बेडरूम की पर्सनल पलों को केमरे मे केद करके बाद मे उसे वायरल बना देते है।

दो साल पहले फिल्म अभिनेत्री शील्पा शेट्टी के पति राजकुन्द्रा का भी नाम ये गंदे धंधे मे आया था और उनकी धरपकड हुइ थी । सुत्रो ने बताया की वो अैसी फिल्म बनाने के लिये फायनान्स

करता था और पोर्न फिल्मो बनाने में वो मदद कर रहा था। पुलीस की अेक रेड के दरम्यान मालुम पडा की बंगलो में रही **15** युवतीओने कबुला की उन सबको यहा वेब सीरीझ बनाने के बहाने यहाँ लाया गया था लेकिन अैसा हुआ नहिं और सभी युवतीओको पोर्न फिल्म बनाने मे लगा दिया।

ये सब तो छोटी-मोटी घटनाये है क्योंकी पूरी दुनियामे देह व्यापार और नशीले पदार्थो के व्यापार के बाद महतम टर्न ओवर में पोर्नोग्राफी उधोग आता है। पुरी दुनिया में ये काले धंधे का टर्न ओवर सालाना **12** अबज डोलर से भी ज्यादा का है। ये राशि देखकर आपको मालुम हो जाता है कि दुनिया में पोर्नोग्राफी का काला धंधा किस हद तक फैला हुआ है।

आगे बताया अैसे अपने नसीब आजमाने के लिये देश के कई अन्य राज्यो से युवा-युवतिओ को अभिनेत्री बना देने, फिल्मो में काम दिला देंगे, **TV** सीरीयलो में काम देंगे, वेब सीरीझ में आपको जगह देंगे अैसी लालसा दे के उन लोगो को बाद में कुछ काम नहीं मिलता है तो अैसे युवान-युवतीओ हताश और लाचार हो जाते है अपने सपने टूट जाने कि वजहसे वो लोग गुमनामी मे-सरक जाते है। अैसी स्थिति का फायदा ऊठाने के लिये अेजन्टो हाजीर ही रहते है और हताश लोगों को पोर्न फिल्मो बनाते काले धंधो मे सामील कर देते है।

वेब सीरीझ के नाम पोर्न विडीयो बना के प्रेक्षक समूदाय मे अपनी और खींचने का काम चालु हो जाता है। उसमे अश्लीलता और व्याभीचार के द्रश्योको पुरी तरह से दिखाया जाता है, क्योंकि यूवा वर्ग को अैसी फिल्म देखने के लिये आकर्षित कीया जाये। वेब सीरीझ नियंत्रण के नाम ज्यादा कुछ नही है। इन्टरनेट पर दिखाती अैसी सीरीझो को सेन्सरशीप लागु नहीं होती। हमारे देश के कानुन के मुताबीत अैसी वेब सीरीझ देखने के लिये कोइ आयु जूथ का बंधन नहीं है। अैसे काले धंधे करने वाले प्रोडकशन हाउस '' ये सीरीझ में दिखाये जाने वाले दृष्यो **+18** सालकी ऊंमर के लोगो के लिये है '' अैसी अेक लाइन लीख देते है।

पोर्न फिल्में बनाने के समय कइ रेड पडी है उस दरम्यान वहा मौजुद अनेक युवान-युवतिओने बताया की फिल्मो बनानेवाले लोग हमे डरा धमका के अेग्रीमेन्टो में हमारी साइन करा देते है और उसमे क्या लिखा है वो हमे पढने हि नहीं देते है और बाद में हमे ही ब्लेकमेल करते है कि ' हमारा काम 'करते रहो नही तो हम आपको समाज में बदनाम कर देंगे आपकी ये सभी विडीयो सोश्यल मिडीया में वायरल कर देगे। इसलीये हम मजबुर होकर चुपचाप ये गंदी फिल्मे करते है। अब हम वापिस घर जाअे तो किस मुँह से ? हमारी जींदगी तो सब दोजख से भी बदतर हो गइ है।अैसे लोगो को आप कडी सजा दिलवाये और हमारे जैसे नये लोगों को अैसे काले धंधे में आने से

बचाये।

मुंबई, चेन्नई, केरल पोर्न फिल्मो के बडे सेन्टर है और उसका सालाना टर्न ओवर 800 करोड रूपिये से भी ज्याता होता है। छोटे शहेर और गांवो में विडीयो स्क्रीन पर क्या दिखाया जाता है उसमे कोइ दखल अंदाजी नही करते इस लिये अैसे स्थलो पर पोर्न फिल्मो की मांग ज्यादा रहेती है। ये काले धंधे के साथे मुंबई बोलिवुड के कइ बडे लोग जुडे हुअे है और उसके कहने के मुताबीत '' फिल्म इन्डस्ट्रीझ में अैसा तो चलता रहता है ''। मुंबई के ज्यादातर मोडेल को-ओर्डिनेटरो दलाल है और वो ही पोर्न फिल्मो के लिये युवानोको भेजते है। मुंबई का डान्सबार धंधा भी अभी पहले जैसा मलाइदार नही रहा है। क्योंकि सरकार ने इतने कडे नियंत्रण इस धंधे पे डाले है की सब अैसे डान्सबारो में काम करती बार गर्ल्स को भी कमाई नहीं होती है और वो फ्री रहेती है तो अैसी बार गर्ल्स अपने परिवार का पालन पोषण के लिये ये पोर्न फिल्म के काले धंधे मे सामिल होने के लिये आकर्षित होती है यहाँ उसे अैसी फिल्मो के लिये बडी राशि की ओफरे दी जाती है।

ये धंधे के जानकार लोग कहते है कि अश्लील वेब सीरीझ के साथ रोज हजारो पोर्न विडीयो इन्टरनेट पर दिखाये जाते है। सरकारने पीछले सालों में अैसी हजारो पोर्न साइट ब्लोक की है लेकिन ये काले धंधे पुरी तरह सें बंध नही हुअे। पोर्नग्राफीक वेब साइट सिर्फ अपनी वेबसाइट के यु.आर.अेल. बदल कर हमारे कानुन और न्यायतंत्र के साथे खेल रहे है। पोर्न फिल्म के ये गंदे धंधे को दुसरे अन्य नेटवर्क का पीठबल मीलने पर वो अेकदम झडप से फैलता है। कभी कोइ पीडीत लोग यौन-शोषण की शिकायत करती है तो कभी कभी अैसे किस्से सामने आते है। बाकी सब विना रोक-टोक से चलता रहता है।

सब लोग जानते है कि अैसे काले धंधे को संपुर्ण नेस्त-नाबुद करने के लिये कोइ ठोस कदम ऊठाते नही है। कला के नाम पर चल रहे यह काले धंधे को नेस्त-नाबुद करने के लिये हमारे देश के सायबरअेक्ट में जरूरी ठोस कदम ऊठा के उसमे बदलाव लाके तत्कालीन असर से उसकी अमलवारी करके उसपर कडी निगरानी रखने की बहुत जरूरत है। लेकिन ......... कब......? । ये तो प्रशासन या सरकार ही तय कर सकती है।

अेक बात तो पक्की है की अैसे '' काले धंधे '' बंध होने से हमारा युवाधन नर्क की खाई में गीरने से बचेगा तो हमारा समाज भी स्वस्थ और तंदुरस्त बनेगा अैसा होने से हमारा देश भी और तंदुरस्त बनेगा उसके साथ 140 करोड आबादी भी तंदुरस्त बनेगी और हमारे देश के युवाधन और बच्चो को इस गंदे धंधे में जाने से रोक सकेंगे और उनका शोषण होना भी बंध हो जायेगा। लेकिन आगे लिखा अैसे हमारी सरकार को ... जागना जरूरी है। आखिर ये 140 करोड देशवासीओके मानसिक और शारीरीक ....... स्वास्थ्य और तंदुरस्ती का सवाल है।

●●●

# ओनलाइन फेन्टसी गेमिंग : एक मलाईदार व्यापार

## सट्टे का खेल

आकाश शाह
मुंबई

अभी थोडे समय पहले ही 2023 का मेन्स वनडे क्रिकेट वर्ल्ड कप समाप्त हुआ। यह वर्ल्ड कप में हमारी क्रिकेट टीमने लीग के सभी 9 मेच और सेमी फाइनल मेच में न्युझीलेन्ड को हरा कर पोइन्ट टेबल पर अव्वल नंबर पर रहे और हमारे देश के 140 करोड लोगो को लगा के 2023 का वर्ल्ड कप हमारा है। लेकिन फाइनल मेच मे हमारी टीम ओस्ट्रेलिया के सामने बुरी तरह से हार गइ और पुरा देश सदमे में चला गया।

हमारे हिन्दुस्तान में क्रिकेट बहुत ही लोकप्रिय है और हमारे देश के करोडो लोग यह खेल के साथ दिल से जुडे हुअे हैं यह भी कह सकते कि हमारे देश के करोडो लोगो क्रिकेट के पीछे पागल है। हमारी टीम जब भी मेच जीतती है तो देश में सभी जगह पर लोगो जश्न मनाते है और जब हमारी टीम को कोई मेच मे हार मिलती हे तो जैसे कोई अपने को गंवाया हो ऐसा गुमसुम हो जाते है। हमारी क्रिकेट टीम के खिलाडीओ के साथ लोग इतने जुडे हुऐ है की उनको भगवान की तरह पुजते है। हमारी क्रिकेट टीम के सदस्यो के नाम के कपडे और कई चीजे बजार मे मिलने लगती है। अमारे देश मे जीस तरह से लोग हमारी क्रिकेट टीम के खिलाडीओ की जो लोकप्रियता और कमाई है ऐसी और किसी देशो में देखने को नहीं मिलती है।

इतना ही नही जब हमारी क्रिकेट टीम का मेच खेला जाता है तब कई लोको का दैनिक शेडयुल बदल जाता है। दुसरे देशो की तरह हमारे देश में भी क्रिकेट की सीझन के साथ सट्टा खेलने की सिजन भी शरू हो जाती है। ऐसे में हमारे देश मे हर साल IPL के मेच खेले जाते है तो यहाँ भी सट्टा का खेल शरू हो जाता है। IPL यां वर्ल्ड कप की मेच जब खेली जाती है तब सट्टा बजार मे पारा एकदम हाई लेवल पे आ जाता है और उनका सेन्सेक्स भी शेर बजार के सेन्सेक्स की तरह ही अेकदम हाइ लेवल पे आ जाता है। जब भी भारत-पाकिस्तान के बीच क्रिकेट मेच होता है तब करीब 1000 करोड का सट्टा भी लग सकता है। वैसे तो सट्टा खेलना और खीलवाना कानुन के खिलाफ है। देश विदेश में लोग आज भी मानते है कि सट्टा खेलाना अेक गुनाह है और उसमे जेल जाने का डर, समाज मे बदनाम होने का डर रहता है। लेकिन स्टार्टअप कंपनी के नाम से युवा शातिर दिमाग वाले धंधादारी साहसिकोने ये खोज

निकाला हैं कि हर क्रिकेट प्रेमी अपने आप को धोनी, कोहली के रवि शास्त्री से भी अच्छा कोच मानते है, उसके पास टीम के ग्यारह खेलाडीओ में किसको लेना है, उसमे कौन से क्रम मे खिलाना है, कौनसे बोलर को बोलिंग देना है और बोलर को शोर्टपीस या फुल लेन्थ बोल डालने जैसा या ऐसी बातो की उसकी रणनीती तैयार रहती है। ये बात एकदम बकवास भी नही है । असल में भारत के क्रिकेट चाहको की पढने की डीग्रीके सामने न देखेतो भी वो क्रिकेट की कोई भी टीम के मेनेजमेन्ट मे स्थान ले शके ऐसे व्युहबाज होते है।

अभी थोडे समय पहले ही ऐसे अेक गैरकानुनी ओनलाइन सट्टेबाजी का अेप - महादेव बेटिंग अेप का भांडा फोड हूआ, जिसमे मेईन प्रमोटर छत्तीसगढ के सौरभ चंद्राकर और रवि उप्पल है । सौरभने अपनी शादीमें 200 करोड रूपिये की राशी नक्दी के रूप मे दी जहाँ से अेप के काले साम्राज्य का पर्दाफास हुआ । स्मार्टफोन और इंटरनेट के दौर में ओनलाईन गेमिंग का खुमार लोगों के शीर चढकर बोल रहा है गेमिंग तक तो ठीक था लेकिन यह खुमारी पिछले कुछ सालों में बेटिंग यानी सट्टाबाजी तक पहुंच गई है महादेव बेटिंग अेप्प के प्रमोटर्स ने इसी खुमारी का फायदा उठाने के लिए ये अेप्प बनाया। अब 5000 करोड रूपए के मनी लोंड्रिंग केस में पिछले कुछ महीनो से ED ये अेप्प के प्रमोटर्स के खिलाफ जांच चला रही है।

सौरभ की ये अनोखी शादी में कई बोलीवुड सितारे और सेलिब्रीटीश सामेल हुअे थे और कई सेलिब्रीटीशने महादेव बेटींग अेप्प का प्रचार भी कीया था और बदले मे उसे बडी राशि दी गई थी । ED ने रणबीर कपुर, हुमा कुरेशी, हिना खान और कोमेडियन कपिल शर्मा को समन भेजा था और पुछताछ के लिए बुलाया था । म्युझिक कंपोजर/सिंगर विशाल ददलानी, नेहा कक्कड, टाइगर श्रोफ, सनी लियोनी, भाग्यश्री, नुसरत भुरूचा समेत कई सेलीब्रीटीश ED के रडार पे है।

वैसे तो अमेरिका की बेझ बोल और बास्केट बोल लीग ओनलाईन गेमिंग के प्रमोटर है । हमारे देश की आबादी अमेरिका से चार गुना से ज्यादा है । दुनिया के एशियन देशो और दुनिया मे बसते एशियनो में से करीबन 80 % को क्रिकेट में दिलचश्पी है । ऐसे क्रिकेट का झुनुन और विशाल चाहको की संख्या देख के हमारे देश में ओनलाइन गेमिंग अेप्प की शरूआत हुई।

सट्टेबाजी को कानुनी भाषा

में देखिये तो अेक प्रकार का जुआ ही है । क्योंकी जिस व्यक्ति को लोगो को जे ते विषय का ज्ञान ही न हो फीर भी वो अेक के दश बनाने की लालच मे उसकी राशी का दश का अेस हो जाये फीरभी साहस खेलता है । अैसी लालसामे वो कर्ज भी लेता है और उचापत जैसे गुना भी कर बेठता है । बाद मे वसुली के डर से घर से भाग जाना या आत्महत्या तक भी बात पहुँच जाती है। क्रिकेट के सिवा और भी तरीके के से सट्टा खेला जाता है । लोग बिना कुछ सोचे समजे ही शर्त लगाते है की आज आकाश मे बादल छाऐ हुअे है तो बारिश होगी के नही ? चुनाव में कौनसा उमेदवार विजेता होगा और कौनसी राजकीय पार्टी को कितनी सीट मीलेगी, इस पर हमारे यहाँ सट्टा खेला जाता है। ये सब बातो में एक बात तो तय हे की सट्टा खेलनेवाला ना कोइ हवामान विशारद है के ना कोइ राजकीय विष्लेशक फीर भी सीर्फ अनुमान के आधार पर ही सट्टा खेला जाता है।

लेकिन ज्यादातर चर्चा क्रिकेट के सट्टे की होती है क्युंकी यहा अबजो रूपये की हेरा-फेरी होती है । हमारे देश में अेक अदालतीय फेसले की वजह से ओनलाइन गेमिंग को कायदाकीय ढाल मीली है, ओनलाइन गेमिंग को चुनौती देने वाले एक केस मे या बादमे तामिलनाडु सरकार ने प्रतिबंधित कीया बाद कोर्ट ने यह कह के प्रतिबंधीत की अरजी को खारीज करके कहा की जैसी ही रमी और पोकर जैसी गेम मे उसको खेलनार के कौशल्य और बुद्धिचातुर्य सामेल होता है इसी लिए हम उसे जुआ नही मानते है वैसे ही ओनलाइन गेमिंग मे भी उसमे खेलनार व्यक्ति उसमे समजकर उसकी खुबी-खामीओ मानते हुए अनुमान लगाकर खेलते है।

कई राज्योने ओनलाइन गेम्स पर प्रतिबंध लगाने के लिए विशेष बिल पास किये है या तैयारी कर रहे है । तामिलनाडुं, आंध्रप्रदेश, तेलंगणा, केराला, आसाम और ओडीशा की सरकारे ओनलाइन गेम्स को युवा पेढी और देश के भावि के लीऐ भयजनक मानती हैं । ओनलाइन क्रिकेट गेमिंग अेप्स को समाज के बुध्धिजीवी वर्ग युवा पेढी को जुआ, सट्टा के व्यसन की और ले जानेवाले ही मानते है । गेमिंग अेप्स, स्मार्टफोन, डेटा, ब्रोड बेन्ड के धंधे मे तेजी चल रही है और इसमे भी टी-20 क्रिकेट लीग, हन्ड्रेड बोल लीग लोगोको अपनी ओर आने को आकर्षित करते है।

हमारे देश में साल मे कइ महीना तो आइ.पी.अेल. और टी-20 के वन-डे और बाद में द्विपक्षीय क्रिकेट मेच खेले जाते है, अैसे में इस बात के डर को नकारा नही जा शकता के क्रिकेट का खेल मेच फिक्सींग, सट्टा, और ओनलाइन गेमिंग से अबजो रूपीए की हेरा-फेरी, हवाला, बीटकोईन लेन-देन और ड्रग की तरह की देश की युवा पीढी को सीधे या परोक्षरूप से जुआ की और ले चलता है।

जब भारतीय क्रीकेट बोर्ड के प्रमुख या टोच के व्यकित ही क्रिकेट ओनलाइन गेमिंग के ब्रान्ड अेन्बेसेडर हो तो हाल के और भूतपूर्व खिलाडीओ का क्या दोष ?

हमारे भारत मे ओनलाइन गेमिंग इन्डस्ट्रीझ 18 % के ज्यादा के दर से वृद्धि हो रही है, स्मार्ट फोन और OTT प्लेटफोर्म का विस्तार और शोर्ट फोर्मेट क्रिकेट लीग के कारण हथेली में फोन रखकर ओनलाइन गेमिंग खेलने का माध्यम बन रहा है।

अब तो मेच दरम्यान म्युच्युअल फंड और ओनलाइन गेमिंग अेप्स के ही अेडवर्टाइझमेन्ट ज्यादा आते है जो युवा पेढी को शोर्टकट तरीके से जल्द ही पैसा कमाने के लिए लालसाभरा निमंत्रण दे रहे है। आप ये ओनलाइन गेम्स खेलते समये धाटेमें भी जा शकते हो ऐसी लाइने TV पे जल्दी से दिखाई जाती है और अगर आप को नुकशान हो तो गेमिंग कंपनी की कोई जिम्मेदारी रहती नहीं है ये लाइने कोर्टने गेमिंग अेप्स को फरजीयात दिखाने को बोला है लेकिन ये लाइने TV पे फटाफट दिखाई जाती है।

**2019** में **30** करोड लोग ओनलाइन गेम्स खेलते थे और ये नंबर अब **50** करोड तक पहुंचने वाला है । रमी और क्रिकेट के ओनलाइन गेमिंग अेप्स की जीसमे

पैसे की लेन-देन होती है उसमे धंधा लगभग 4000 करोड के उपर का है।

अब क्रिकेट की अेप्स पर स्टार्टअप ही आंखे टीकी हुई है। फेडरेशन ओफ इन्डियन फेन्टेसी गेम्स का अनुमान हे की 2024 में क्रिकेट के खेल की वजह से ओनलाइन गेमिंग का धंधा 22000 करोड के उपर का हो शकता है।

अगर आप 1 हजार रूपए का ओनलाइन गेम्स में लगाकर 10 हजार रूपए जीतते हो तो आप को 9000 हजार रूपए ही राशि का टेक्ष चुकाना होता है और आपने जो

1000 रूपीए गेम्स में लगाए है वो आपकी राशि करमुक्त रहेती है। एक नामी गेमिंग अेप्स उसके विजेता ने जो 10,000 हजार रूपीए या उससे अधिक राशि जीती है तो राशि ट्रान्सफर करते समय ही 30% टेक्स का काट लेती है।

थोडे समये से ये ओनलाइन गेमिंग इन्डस्ट्रीझ में अेक नया भय स्थान शरू हुआ है। अब चीन और कई देश अलग अलग देशो में ओनलाइन ठग भेजेबाजोने मल्टी लेवल मार्केटींगमें जुआरीओ को सामेल करना शरू कीया है और गुप्त तरीके से Code ध्वारा लेन-देन की राशि तय करते है। ओनलाईन गेम्स में जीतने वाली राशि खाते में ही जमा होती है और उस पर टेक्स चुकाना पडता है इसी लिए लोग राशि के बीना पोइन्टस वाली ओनलाईन गेम्स खेलते है फीर इसमे आगे जाके ज्यादा पोइन्ट मीलते है तो उस को लालसा होती है की मैंने अगर राशि लगाइ होती हो टेक्स के बाद भी मुजे पैसे मिलते इस तरह से भी वो पैसेवाले गेम्स मे खेलने को आकर्षित होता है।

अब क्रिकेट के खेल में जैसे ही पैसे की लेन-देन, मेच फींकसींग और सट्टा खेलना हावी हो गया है इससे असली क्रिकेट प्रेमीओ अब उससे दुर भागने लगे है, अब पहले जैसा क्रिकेट मेचीस निदोर्ष नही रहा है अब आयोजको और सट्टोडीये के हाथ मे चला गया है। ये भी विधि की विक्रता ही है, की ओनलाईन गेम्सने क्रिकेट जिसको जेन्टलमेन गेम कहते थै उसको पुरी तरह से अपनी चुंगाल में ले लिया है। अगर हमारे समाज की सामाजीक संस्थाअे और सरकारी अधिकारीओ मिल के इस विषय पे समाज के लोगो के बीच ऐसी ओनलाइन गेमिंग से होती बरबादी या नुकशान की विस्तार से चर्चा करे और उनसे दुर रहने का कोइ ठोस सुझाव हो तो वो लोगो ने बताए तो इस समस्या से संपूर्ण छुटकारा तो नही लेकिन कोइ हद तक राहत मिल शकती है ऐसा हमारा मानना है।

आखीरकार थोडे समये पहले ही जानकारी मीली है की सरकार अब OTT कन्टेन्ट पे भी सेन्सरशीप लागु करेगी। OTT पर दिखाई जाने वाले कन्टेन्ट पर देखरेख रखने के लिए ब्रोड कास्टींग एडवाईजरी काउन्सील (बी.अे.सी) का गठन होगा। अैसी भी जानकारी मिली है की OTT के नियमो का पालन नही होगा तो 5 लाख रूपए तक जुर्माना लगने की संभावना है।

●●●

# किह्नु: एक ऐसा द्विप जहाँ सीर्फ औरतो का राज चलता हे

अहो वैचित्रम्

पार्थ शाह
अहमदाबाद

ये पुरी दुनिया अचंबोसे भरी पडी है । इसमे कई अचंबित रीत-रस्मे, स्थले आर अचंबित मानवसमुह सामिल है । दुनियामें ऐसी कई जगह है जहाँ चित्र-विचित्र लोग रहते है जीसकी रीत-रस्मे भी ऐसी ही विचित्र होति है ।

हर एक समाज को खुद का अनोखा कानुन होता है जो उसके पूर्वजो के समय से चला आ रहा होता है और ऐसा समाज की पेढियो अपने समाज के रीत-रस्मो की हद जानते है और इसके दायरे में रहकर अपना जीवन गुजारते है और उसमे गर्वभी होता है कि हम अपने समाज की परंपरा को जिवीत रखते है ।

एमेजोन के जंगलो में पहले ऐसी सीयासते थी जहाँ सीर्फ औरते ही सता चलाती थी । ऐसी औरते कद मे उंची और हट्टी-कट्टी थी । ऐसी औरते 7 या 8 फीट उंचाई की होती थी । ये सीयासत एमेजोनिया के नाम से प्रचलित थी । ये सीयासत के बारे मे इतिहासविदो भी कुछ इतना जानते नही है कि ये सच है या सिर्फ काल्पनिक बाते है । लेकिन यहाँ आज हम एक ऐसे ही द्वीप की बात करेंगे की जहाँ सिर्फ औरते ही राज चलाती है ।

युरोपमें बसे इस्टोनिया नाम के देश के तट से दुर बाल्टिक समंदरमें किह्नु नामका 1611 चो.की.मी. का द्वीप आया हुआ है । यहाँ कोई भी प्रवासी आये तो पहेली नजर से अचंबित रह जाते है ।

क्युंकी यहाँ चारो तरफ तरह-तरह के रंगोके पोषाक पहेननेवाली औरते ही नजर आयेगी। हमारे यहाँ कौन सी ज्ञाति की पुवती ने कौन से रंग की चुनी पहनी है उससे मालुम पड जाता हे की वो कँवारी हे या शादीवाली उसका अनुमान लगाया जा शकता है। ऐसी ही परंपरा यहाँ पर भी दीखने को मिलती है। औरतो के पोषाक के रंग से उसकी शादीका स्टेटस जान शकते है।

मछली पकडना है। इसलिए पुरूषोकी गेरमौजुदगी में द्वीप पर ट्रेकटर चलाना हो, कब्र तैयार करती हो, लाइटहाउसकी रखवाली करनी हो या फीर पैडो को काटके रास्ता बनाना हो ये सब काम औरते करती है।

वैसे तो आजकल असी कामगीरी का कोई अचंबा नही है क्युंकी हमारे देशमें सागर पर बसने वाले पुरूषे जब समंदर मे अपने

द्वारा शासन चलता है ये देख के यहाँ पे आनेवाले प्रवासीओ के लिए ये बात थोडी सी अचरज भरी लगती है।

यहाँ आनेवाले मुलाकातीओ के लिये एक छोटा सा संग्रहालय भी मौजुद है। रहने ठहरने के लीये भी अच्छी व्यवस्था है। और घुमना चाहते लोगो के लीये महिला टुर गाइड भी रहती है। ये पुरा द्वीप चार गांवमे बटा हुआ

जैसे परी कथाओ मे आता है वैसे यहां सब पुरूषे गायब हो गये ऐसा लगता है। सिर्फ औरते ही शासन करती हो ऐसा ये युरोप का अंतिम प्रदेश है। यहाँ पे पुरुषे नही है ऐसा नही है। लेकीन सालभर मे कई महिने पुरूषे समंदर मे रहते है, क्योंकी उसका मुल धंधा समंदरमें

काम के लीये जाते मै तब औरते ही सब काम संभालती है। लेकीन असी कामगीरी के लिये युरोप के ये छोटे से ही द्वीप को विशेष प्रसिद्धी मिली है। युनेस्कोने यह द्विप की संस्कृति को कल्चरल हेरिटेज जाहेर कीया है। और ये स्थल मुख्य भुमी के बदले द्वीप होने से यहाँ पर औरते

है। यहाँ पक्की सडक, पोष्ट ओफीस, ए.टी.एम., रेस्टोरां जैसी आधुनिक सुविधाए नही है। यहां करीबन 300 महिलाओ दुनियादारीसे परे होकर अपनी जींदगी मस्ती में होकर मजे से जी रहे है।

●●●

# BEST WISHES

to

# CRIME FORCE

&

## MERRY CHRISTMAS

AND

## HAPPY NEW YEAR

TO ALL THE READERS

KALOL DAS
Bollwyood Film Producer

SATYENDRA SINGH
Actor

AN ISO 9001 : 2015 CERTIFIED JEWELLERS

JN SINCE - 1961

# Soni Jayantilal Narshidas

CERTIFIED ISO 9001:2015 COMPANY

BIS 916 Hallmarked Gold

## A Government Approved Showroom Trusted By Customers Across Saurashtra

Main Bajar, Dhasa (Junction)    Branch : Katargam, Surat

**97731 10033, 94263 43199**

www.jnsoni.com    sonijayntilal3199@gmail.com

## SCOPE OF SERVICES

| | |
|---|---|
| Anesthesia & Pain Management | Intervention Radiology |
| Arthroplasty & Joint Replacement | Neurology & Electrophysiology |
| Cardiology | Neuro & Spine Surgery |
| Cardio-vascular Thoracic Surgery | Oncology, Onco. Surgery & Radio Oncology |
| Dentistry | Orthopedics, Joint replacement & Trauma |
| Dermatology & Hair Transplant | Pathology & Microbiology |
| Emergency Medicines | Plastic & Reconstructive Surgery |
| ENT | Pediatric / Pediatric Neurology |
| Gastroenterology & Hepatology | Psychiatry |
| General & Laparoscopic Surgery | Pulmonology |
| Intensive & Critical Care | Radiology |
| Internal Medicine | Urolog & Nephrology |
| Maxillofacial Surgery | MRI |

## SUPPORTIVE SERVICES

| | |
|---|---|
| Administration | CSSD |
| Ambulance Services | Housekeeping & Security |
| Bio - Medical | Pharmacy |
| Blood Storage | Physiotherapy |
| Canteen | |


એક માનવ સેવા મંદિર

Gokul Hospital

શ્રેષ્ઠતા - સત્યતા - પારદર્શકતા

GOKUL HOSPITAL 34 YEARS IN SERVICE

VIDHYANAGAR ROAD +91 99043 99043 | KUVADAVA ROAD +91 88663 83108

PATIENT SAFETY & QUALITY OF CARE NABH ACCREDITED

RAJKOT - GUJARAT - INDIA

*Best Wishes To...*

# CRIME FORCE

## VIMMIGRATION VISA CONSULTANCY

VIMMIGRATION VISA
CONSULTANCY

| | |
|---|---|
| STUDENT VISA | UK, USA, |
| VISITOR VISA | CANADA, AUSTRALIA |
| IMMIGRATION | NEW ZEALAMD |

**Hitesh Prajapati**

**Mo. + 084600 03121**

vimmigrationvisa@gmail.com

328 Sangath Mall, Opp. Vishwakarma Engg. Collage,
Motera, Sabarmati, Ahmedabad - 380 005

# मुंबई मध्यवर्ती कारागृह – आर्थर रोड जेल

## आर्थर रोड जेल

चेतन सोलंकी
मुंबई

दोस्तो, युँ तो हमारे हिंदुस्तान में कइ जेल है, जो बडे भी है और हमेंशा चर्चा में भी रहते है, जैसे कि तिहार जेल, यरवडा जेल, लेकिन आज हम बात करेंगे जहाँ पे बडे बडे खूंखार और हाई प्रोफाइल केदीओ को रखा जाता है । उसका नाम है मुंबई मध्यवर्ती कारागृह याने के आर्थर रोड जेल । इसका निर्माण 1926 में किया गया था । इसका ये नाम तब ब्रिटिश काल में मुंबई के तत्कालीक गवर्नर सर ज्योर्ज आर्थर के नाम से रखा गया था । शरूआत में यह जेल करीबन 2 एकर में फैली हुई थी, बाद में उसका विस्तार हुआ और अब ये 6 एकर में फैली हुई है । सन 1994 में इसका अपग्रेडेशन किया गया और केन्द्रीय जेल बनाया गया, लेकिन आज भी लोग उसको आर्थर रोड जेल से जानते है ।

ईन्डियन एक्सप्रेसने जेल अधिकारीयो के हवाले से जेल के भीतर कि स्थिति के बारे में बताया है । वर्हां 20 बेरक है और उन में कई सेल्स है । वैसे तो केदियों कि क्षमता 804 है लेकिन अकसर ये ओवर क्राउडेड रहती है । और कई बार यहाँ लगभग 3000 कैदी तक हो जाते है । यहाँ के सेल नं. 12 कि बात करे तो काफी हाई सिक्योरीटी सेल है । जिस में पुलिस की जानकारी बिना पता भी नही खडक शकता ये सेल 2008 में मुंबई हमले के दोषी अजमल कसाब को रखने के लिहाज से तैयार की गई थी क्युंकि सुनवाइ के लिए कसाब को सीधे स्पेश्यल कोर्ट ले जाने में उसके भागने या जान से मारे जाने का खतरा था इसलिए जेल से ही सीधे अदालत के लिए एक सुरंग तैयार की गई । जिस पर किसी बम

# 5 STAR HOTEL से कम नहीं ARTHUR ROAD JAIL का BARRACK NO 12

का भी असर नही हो शकता ।

आतंकवादी कसाब के सिवा और कई खूंखार और हाई प्रोफाइल केदीयो को वहाँ रखा गया था । शाहरूख खान के बेटे आर्यन खान को यहाँ पे रखा गया था । राजकीय दृष्टि से देखे तो यहाँ पे NCP के नवाब मलिक, NCP के के ही अनिल देशमुख और संजय राउत को रखा गया । यहाँ 2008 के मुंबई हमले में सामिल आंतकवादी जबिउद्दीन अंसारी को रखा गया था । इस के इलावा देखे तो दाउद इब्राहीम का भाई इकबाल कासकर, मुस्तफा दोसा, यासीन भटकल, अबु सलेम, शीना बोरा हत्यांकांड के मुख्य आरोपी इन्द्राणी मुखर्जी के पति पीटर मुखर्जी और बोलीवुड स्टार संजय दत्त भी यहाँ रह चूके है ।

राज्य मानवाधिकार आयोगने अकसर सुझाव दिया कि जेल में भीडभाड कम की जाए । इस के इलावा, जैसे की सुरक्षा का निरीक्षण करने के लिए नियुफ्त की गई एक समितिने सुझाव दिया है कि जेल के आसपास कई ऊंची इमारते के कारण जेल को स्थानांतरित कर दिया जाये । जुलाई 2021 में जेल में आठ नये बैरक जोडे गये, जिस में 200 अतिरिक्त केदीओ रखा जा शकता है ।

यहाँ पे अलग अलग गिरोहो के बीच कई हिंसक घटनाअे भी देखी गई है 2006 में दाउद इब्राहीम और छोटा राजन से जुडे गिरोहो के सदस्यो के बीच झडप हुई । 2010 में गेंगस्टर खबू सलेम और मुस्तफा दोसा के बीच हिंसक झडप हुई, जिस में सलेम के चहरे पर एक धारदार चम्मच से वार किया गया था । ऐसी घटनाओ के बाद अधिकारीयोने जेल के विभिन्न हिस्सो में विरोधी समूहो को ठहराना शरू किया ।

2020 में एक विचाराधीन कैदीने बोम्बे हाइकोर्ट को पत्र लिखकर आर्थर रोड जेल कि भयानकता गिनाई थी कैदीने लिखा था कि जेल अधिकारी पुराने कैदियो का इस्तेमाल दुर्व्यवहार करने और जेल में आनेवाले नए लोगो को डराने धमकाने के लिए करते है । जानकार सुत्रो के अनुसार इस जेल में भ्रष्ट्राचार व्याप्त है और बैरेक में कैदियो को छाँटकर करोडो कमाए जाते है इस कैदीने अपने पत्र

आतंकी : अजमल कसाब

में जेल के अंदर व्याप्त भ्रष्ट्राचार, जबरन वसूली, कैदियो के यौन शोषण और खराब चिकित्सा सुविधाओ के बारे में शिकायत की थी । आर्थर रोड में बंद 3800 से अधिक कैदियो के लिए चार डोकटर है, जिसकी क्षमता 800 केदियो को रखने कि है।

जेल परिसर में न केवल चिकित्सा सुविधाओ बल्की पीने के पानी की भी गंभीर कमी है। अधिक भीड के कारण शौचालय और स्नानागार की भी कमी रहती है । सुत्रो के अनुसार जीन कैदीयो के पास धनबल या बाहुबल या दोनो है उन्हे सबसे पहेले शौचालय और स्नानागार का उपयोग करने का मौका मिलता है। गरीब केदियो का शौचालय और स्नानागार का उपयोग करने के लिए कई घंटो का इन्तेजार करना पडता है।

यहां पे खूंखार गेंगस्टरो और 'शक्तिशाली' केदियो अन्य गरीब और लाचार केदियो को नौकर की तरह इस्तेमाल करते है । ऐसे लाचार केदियो 'शक्तिशाली' केदियो का सब काम करते है, और उनकी 'देखभाल' भी रखते है । गेंगस्टरो और 'शक्तिशाली' लोग जबरदस्त से कोठरियो में बडी जगह का कब्जा कर लेते है और लाचार और गरीब केदियो के कोठरी के कोने में नशीब से जगह मिलती है । बडे गेंगस्टर और 'शक्तिशाली' केदियो की कोठरी में गेस्ट हाउस जैसी सुविधाअे मिलती है, जेसे कि बिस्तर, टिफीन, चाय, तंबाकु, सलाड और ऐसे कई चीजे यहाँ पै पैसे देने से उपलब्ध है।

यहां से बहुत सारी अप्रिय घटनाअे रोज-बरोज बनती रहेती है । लेकिन जेल प्रशासन अधिकारीओ और कर्मचारीओ अपनी आंखे बंद कर लेते है क्योकि उनको अपने परिवार की सुरक्षा कि चिंता रहती है।

यह जेल में केदीओ के आम सुविधा सहज में उपलब्ध हो उसके लिए कई विभिन्न सरकारी और न्यायिक समितिओ की बावजूद कर्ज में डूबे महाराष्ट्र राज्य में धन की कमी के कारण बहुत कुछ नही हुआ है। यह सहज बात है की जब राज्य का राजस्वधाटा 25000 करोड रूपये के करीब है तो जेलो का रख रखाव सरकार की प्राथमिक सुचि में आखरी स्थान पे रहता है।

अबू सालेम

●●●

# ‘स्पा ` के नाम से पर्दे के पीछे चल रहा है

# अनीति का व्यापार

हमारे गांधी के गुजरात में थोडे समय से ‘स्पा’ शब्द बहुत ही प्रचलित और चर्चास्पद बना है । ‘स्पा’ के नाम से चल रहे मसाज पार्लर में अनिती का व्यपार खूब फलाफुला है।

गुजरात के बडे शहेरो में थोडे समय से ऐसे ‘स्पा’ के नामसे मसाज पार्लर बहुत ही बडी संख्या में चालु हुए है। वैसे देखा जाए तो गुजराती लोग ‘व्यापारी लोग’ से जाने जाते है। गुजरातीओ का एक शौक पैसा कमाने का है। इसलिये कोई गुजराती आदमी व्यापार के टाइम मे ऐसे मसाज पार्लर के वेइटींग रूम में बेठा दिखाई दे तो वे आश्चर्य की बात होती थी। लेकिन अब ऐसा नही है । युवा से लेके वयस्क आयु के आदमी ‘स्पा’ में रेग्युलर जाते दिख रहे है।

थोडे समय से एसे ‘स्पा’ मसाज पार्लर पर बार-बार पुलिस डिपार्टमेन्ट के जरिये रेड होती है ।

## रेड अेलर्ट

हितेष प्रजापति
अहमदाबाद

और वहाँ चलते गैरकानूनी देहविक्रयके गंदे धंधोको उजागर करते है । हम भी एसे गैरकानुनी व्यापार के बारे में बार-बार सूनते और पढते रहते है।

अगर देखा जाए तो चल रहे सब ‘स्पा’ मसाज पार्लर मे ऐसे अनिती के धंधे नही होते है, नही वहाँ ये सेक्स वर्कर्स काम करते है। लेकिन कई असामाजिक लोग ऐसे ‘स्पा’ के नाम से मसाज पार्लर चलाते है और वहाँ से गेरकानूनी रूप से देह विक्रय का गंदा धंधा चलाते है । ‘स्पा’ मे सामान्य रूप

से देखे तो यहाँपे काम करते वाली लडकीयाँ ज्यादातर आसामीझ, मेघालय, नागालेन्ड, मणिपुर जैसे राज्यो से आती है । कभी कभी तो विदेशी लकडीयाँ को भी काम पर रखा जाता जाता है । कइ बार अैसी लडकीयोको समजा-बुझाकर उसकी जानकारी के बिना ही ऐसे गैरकानूनी देह विक्रय के काम में धकेल दी जाती है । ऐसे धंधे मे लडकीयाँ को लालच देकर धकेलने के लिए बिचवाले लोग भी होते है, जो दलाल की भुमिका निभाते है । ऐसे लोग सभी जगह पे आसामी से मिल जाते है । ऐसे लोग हंमेशा ऐसी लडकीयों की खोज में रहते है, जिनकी आर्थिक जरूरीयात रहती है और ऐसी लडकीयाँ मिलने पर उसके साथ भरोसो के संबंध बनाकर नोकरी देने के बहाने ऐसे धंधे में सामिल करते है ।

जो के आगे लिखा है ऐसे सब 'स्पा' मसाज पार्लर में ऐसे गंदे धंधे नही चलते । कानूनी रूप से सही तरह से धंधे करने वाले 'स्पा' मसाज पार्लर में काम करती लडकियोंने मसाज के बारे में सही प्रशिक्षण लीया होता है । और वो अपनी महेनत के पैसे कमाती है । ऐसे 'स्पा' मे मसाज के लिए सिर्फ आदमी ही क्युँ जाते है ? महिलाए बहुत ही कम संख्या में जाती है ।

ये बात सब को मालूम है, लेकिन सब लोग अपने मूँह पर ताला लगा लेते है । ऐसे 'स्पा' के चर्चास्पद रहेते हुए महिलाए वहाँ पर जाने के नाम मात्र से कांपने लगती है ।

यहाँ पे हमारे मन में वे सवाल पेदा होता है कि जिस को हम गणिका कहते है, वो अगर समाज के लिए कलंकरूप हो या पाप हो तो वह पाप / कलंक का सर्जन किसने किया ? ज्यादातर औरते शौक के लिए अपने बदन को बेचने के लिए तैयर नही रहेती वो जब बहुत ही लाचार होती है या ऐसे विपरीत परिस्थितियाँ होती है की जीस में उस में कोई दूसरा मार्ग नही

दिखाई देता है तब ही ऐसी औरते देह विक्रय के धंधे मे मजबुरी से आती है । यहाँ पे भी देखनेवाली बात है कि जब ऐसी औरते देहविक्रय के लिए बेची जा रही है तो उससे खरीदने वाला कोन है ? हमारे समाज की ही व्यक्ति होती है ना ? इसी

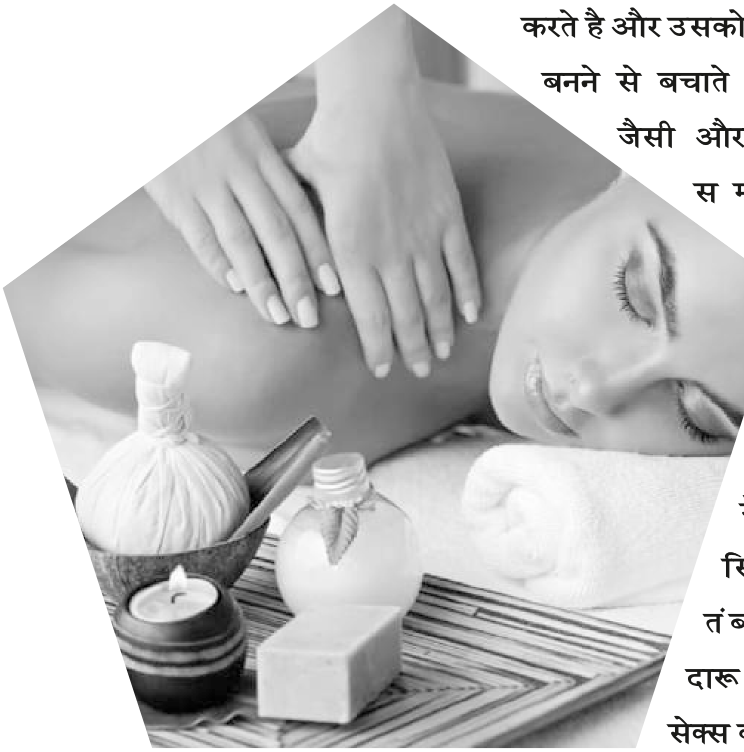

तरह से देखा जाए तो जो ऐसी औरते पापी हो तो उसका गैरतरीके से इस्तेमाल कनरेवाला या उसको जबरदस्ती ऐसे धंधे में फसानेवाला हर एक व्यक्ति भी पापी है।

अपना देह बेचकर पैसा कमाने वाली एक औरतने अपना नाम नही लेते की शर्त पे हमे बताया के लोग मेरे पास चूपके से और डरते हुए आते है, तब मेरे मन मे पे सवाल पेदा होता है कि, उस अनजान आदमी के साथ अनजान होटेल या स्थळ पे जाती हुं तो मुझे डरना चाहीए या सामने वाले आदमी को ? वो औरत आगे बताते हुए बोली कि असल में हम तो ऐसे आदमीओ की बदन की वासनाओ को खतम करते है और उसको पशु या जानवर बनने से बचाते है। अगर हम जैसी औरते न होती तो समाज मे बलात्कारी घटनाओ में बहुत ही वृध्धि होती।

गुजरात में कई युवानो सिर्फ सिगारेट, तंबाकु, बीडी, दारू ही नही ऐसे सेक्स के आदि होते जा रहे है। ऐसे दो-चार गैरकानूनी धंधेवाली जगह पर रेड करने और वहां ग्राहक के रूपमे बैठे हुए आदमीओ या ऐसी सर्विस देनेवाले व्यक्तीओ की धरपकड से क्या वे प्रवृतियां बंध हो जाएगी ? असल में तो कोमर्शीयल कोम्प्लेक्ष में दुकान या ओफीस किराये पे देने से पहेले मालिक को छानभीन करनी चाहिए की असल में किरायेदार कौन है। और वहां पे वो क्या धंधे करने वाला है। हाँ, कभी किसी से भूल होती है तो बारबार ऐसी भूले ना करके ऐसे गेरकानुनी तरीके से चलते धंधे का विरोध करना चाहिए।

**लेकिन बात ये है कि हमारी मानसिकता यहाँ पर भी सामने आती है कि, ''वो कौन सी मेरी दुकान या ओफिस है जहाँ ऐसे धंधे चलते है मुजे क्या ? चलने दो जैसे चलता है, वैसे पुलिस ओर प्रशासन उसके लिए बैठे ही है ''और ऐसी वजह से ही एसे 'स्पा' मसाज पार्लर के नाम के चल रहे ऐसे अनीतिधामो अपनी नजर के सामने ही चल रहे है और तेजी से बढ हे है। और हम करते है कया सिर्फ एसी जगह पर पडती रेड के बारेमें जानते है, अखबारोमे पढते है और जैसे ही कुछ हुआ ही नही ऐसे बताकर चूप बैठे रहते है।**

●●●

# भारत के हिमालय पुत्र : कर्नल 'बुल'

दोस्तो, फिल्मी परदे पर और कोमीक बुक में हाल में इतने सारे काल्पनिक पात्रो आते है जैसे की सुपरमेन, फेन्टम, स्पाइडरमेन, केप्टन अमेरिका, बेटमेन, आइरन मेन, अेन्टमेन ये सब पात्रो को लेखकोने अपनी कल्पना के मुताबिक दिखाकर लोगो के और खास तौर पे बच्चो / नाबालिको के दिमाग मे घुसा दिया है ! आज के बच्चो को अेसे सब काल्पनिक सुपर हिरो की गेम देखने में या खेलने में बहुत ही खुशी होती है ! और अपने मन मे अभी से ये बात ठान लेते है कि में भी बडा होकर अैसा सुपर हीरो बनुंगा ! असल में जान ते है कि कंम्प्यूटर ग्राफिक की मददसे अैसे हीरो के अैसे अैसे कारनामे दिखाये जाते है कि बच्चे तो कया व्यस्क लोगभी अचंबीत रह जाते है।

काल्पनिक वार्ताओ में अैसे पात्रो की कल्पनाओ के कारण सुपर हिरो के नाम से जाने जाते है वो बात अलग है लेकीन वास्तविक जीन्दगी में दुनिया में अैसे कई लोग है जो अपनी रीयल लाइफ में अपने अनेको पराक्रमोसे अपनी अलग ही गाथा लीख जाते है और सुपर हिरो से ख्याति पामते है । जैसे की दुनिया की प्रथम समंदर प्रदक्षिणा करने वाले फर्डिनान्ड अेगेलन, प्रथम अवकाशयात्रा करने वाले युरि गेगेरिन, दक्षिण ध्रुव से समस्त मानवजाति के लिअे पैर रखने वाला रूआल आमुन्सन, उतर ध्रुव के विजेता रोबर्ट पीअरी, माउन्ट अेवरेस्ट हांसिक करनार अेडमन्ड हिलेरी और तेन्झिंग नोंर्गे.. अैसे तो कई नाम है जो अपने असीम साहसो से सुपर हिरो की ख्याति पामे है । अैसे पराक्रमीओ के वैश्विक लीस्ट बनाने लगेंगे तो बहुत लंबा लीस्ट बनेगा, लेकिन आज हम यहा पे अेक अैसे ही बहुत महापराक्रमी की बात करने जा रहे है जो लिस्ट मे से अेक है। आप ये महापरक्रमी के पराक्रमोकी गाथा सुनेंगे तो अचंबीत हो जायेंगे और आप को आश्चर्य होगा की हाडमांस के बने हुये लेकिन फौलादी मनोबल वाला ये इन्सान अपनी बीच से चला गया फिर भी

## अनसंग हिरो

महेश महेता
मुंबई

हम उनके बारे मे पुरा या आधा भी जान नही शके, आज हम जिसकी बात करने जा रहे है वो महापराक्रमी का नाम है – कर्नल 'बुल' कुमार जीसको हिमालय पुत्र के नामसे भी जाना जाता है । 3 साल पहले 31/12/2020 के दिन कर्नल 'बुल' के जानेसे भारतीय पर्वतारोहण की तारीख पर अेक गौरवशाली अध्याय पर पूर्णविराम लग गया।

हमारे दिमाग मे भी अैसा सवाल जरूर पेदा होता है कि अध्याय कैसा होगा जो हमने अबतक जाना नही या सुना नही। आइये जानते है महापरक्रमी कर्नल नरेन्द्र 'बुल' कुमार के पराक्रम गाथाओ को।

नरेन्द्रकुमार का जन्म 8 डिसेम्बर 1933 के दिन अखंड हिन्दुस्तान के रावलपींडी (अब पाकिस्तान) में हुआ था। 13 साल की उम्र मे उसने Scout / स्काऊट दल में दाखिला लिया शिस्त, संयम, सब्र, प्रकृतिप्रेम जैसे जीवन मे उपयोगी बाते स्काऊट दलने शिखाया है। और वहा तालीम लेने वाले नवयुवको को दिलो दिमाग को अच्छी तरह से प्रशिस्त कर के स्वावलंबी बनाते है। नरेन्द्र कुमार भी यहा से दिलोदिमाग से अेकदम फीट हो गये। उसकी विचारधारा अेकदम हकारात्मक हो गइ। छोटी उंमर से ही उसमे सैन्य मे जाने का मन बना लिया। देश के बटवारे के बाद भारत आने के बाद उन्होने देहरादुन की इन्डीयन मिलीट्री अेकेडमी (IMA) में दाखिला ले लीया । यहाँ तीन साल कडी तालीम पाने के साथे 'बुल' (बैल) जैसा उपनाम भी पाया।

इस प्रकार के विचित्र नामकरण के पीछे अेक घटना कारणभूत हुई । हुआ अैसा की पडछंद देह के मालीक युवा नरेन्द्रकुमार बोक्सिंग खेल मे निपुण थे । बोक्सिंग खेल के दरम्यान उसमे कोइ भी साथीदार उनका मुकाबला नही कर सकता.

अेक दिन सुनिध फ्रान्सिस रोड्रीग्झ नामके प्रतिद्वंदी ने बोक्सिंग मेच मे नरेन्द्र को बराबर की टक्कर दी, बर्षो के बाद भारतीय नैवीमे अधिकारी का पद प्राप्त करनेवाले रोड्रीग्झ कद मे नरेन्द्रकुमार से 6 ईंच लंबे थे इस लीये उसके मुंह पर मुक्का लगाना कठीन था। फीर भी उन्होने कडी टक्कर देकर सुनिध रोड्रीग्झ को बोक्सिंग रींग मे हरा दिया। बोक्सिंग रींग मे नरेन्द्रकुमार ध्वारा मुक्के पे मुक्के हमले का आक्रमण देख के रोड्रीग्झ को आपा खो बेठा बेल याद आया की नही ये तो मालुम नही है। लेकिन मेच के बाद उन्होने नरेन्द्रकुमार को 'बुल' का खिताब दिया । इस तरह ही खेल खेल में ही नरेन्द्रकुमार का ये खिताब बाद में उसकी पहेचान बन गया।

देहरादून की IMA में से पास होने के बाद जून, 1954 में नरेन्द्र 'बुल' कुमारको भारत के खुस्कीदलकी कुमाउ रेजिमेन्ट में फौजी अफसर की वरदी पहनने का मौका मिला। पडछंद देह, अडग मनोबल और कठीन परिस्थितीयो को निपटने की कामना रखने वाले और Never Say Die के अभिगम रखनेवाले 'बुल' की फौजी कारकीर्दी मे नाटकीय मोड तब आया जब उनकी माउन्ट अेवरेस्ट के आरोहक तेन्जिंग नोर्झसे पहली रूबरू मुलाकात हुइ। तेन्झिंग के मुंहसे हिमालय पर्वतारोहण के अनुभवो की बाते सुनकर 'बुल' कुमार को भी अैंसे गगनचुंबी शिखरो सर करने की इच्छा हुइ । 1945 में उन्होने भारतीय नेवी के कुछ साहसिक अफसरो के साथे 23,559 फीट ऊंचा माउन्ट त्रिशुल-1 नामका शिखर सर किया।

पहाडो के साथ नरेन्द्रकुमार के लंबे अटुत बंधन की अभी तो शरूआत थी। आगे जाके वो अैसे अनेको पराक्रम करने वाले थे । जैसेकि 1959 में उन्होने 22000 फीट ऊंचे और दो शिखरो पर पैर रखे। विश्व के सबसे ऊंचे शिखर अेवरेस्ट की टोच पर पहुँचने का मन बना लिया और वो इसके लिये 1960 में निकल पडे । सपाटी से 28,700 फीट की उँचाई पर पहुंच भी गये लेकिन अचानक मौसम खराब होने से नरेन्द्र 'बुल' को अपना ये साहस वहीं पर छोड देना पडा । अेवरेस्ट तो सर नही हुआ लेकिन सपाटी से सबसे उंपर 28,700 फीट पहुँचकर पहले भारतिय के रूप मे रेकोर्ड बनाया।

बाद में फिर अेकबार पांच साल के बाद वापिस अेवरेस्ट सर करने के लिये चल पडे। और इस बार नगाधिराज की 29032 फीट की ऊंचाइ पर भारतीय तिरंगा लहराकर ही वापिस आये । ये महापराक्रम कीया तब उसके दोनो पैरो के अंगुठे और दो-दो उंगलीया नही थी क्युंकी 1961 में गढवाल हिमालय का 21644 फीट ऊंचे निलकंठ नाम के शिखर सर करते समय उनके पेरो में हिमडंख लगा था और लहुका बहाव जम जाने के ओपरेशन करते समय उनके दोनो पैरो के दोनो अंगुठे और दो-दो ऊंगलीया काटनी पडी थी । सामान्य रूप से हमे पेरो के अंगुठे और ऊंगलीया समतोल जमीन पर शारीरीक संतुलन बनाने में अनिवार्य जो जाते है। यहाँ पर तो नरेन्द्रकुमार 'बुल' बिना अंगुठे और ऊंगलीया के बिना ही दुनिया के सबसे ऊंचे शिखर पर चढ गये, उनको ये पराक्रम के लिये उनको

हम हिरो कहे या सुपर हिरो ?

माउन्ट अेवरेस्ट पर्वतो में सबसे ऊँचा शिखर है ये बात सही है लेकिन पर्वतारोहक के को कडी चुनौतीवाले शिखरो कि बात करे तब **25,643** फीट ऊंचाइ वाले नंदादेवी पर्वत को कैसे भुल सकते है ? गगनचुंबी पर्वत की चोटी पर **1964** की साल मे पहुँचनार नरेन्द्र 'बुल' कुमार प्रथम भारतीय थे । कंचनजंधा **28,408** फीट, कामेते **25,446** फीट, तेराम कांगडी **24,448** फीट, चोमोल हारि **24,038** फीट, नुनकुन **23,408** फीट जैसे अनेक ऊतुंग शिखरे सफलता से सर कर चुके 'बुल' कुमार **1977** तक तो साहसिक और पराक्रम पर्वतारोहक से नाम से पुरी दुनिया में विख्यात हो गये थे । लेकिन इस हिमालय पुत्र को और भी बुलंदी पे पहुँचाने के लिये तकदीरने उनके लिये अेक और बडा साहस तय कर लिया था । ये साहस अपने राष्ट्र के हित में था और इसके लिये 'बुल' कुमार को मोत के मुँह जाके हर अेक पल का जुआ खेलना था । पृथ्वी पर अेक अैसा ही मौत का सफेद कुआ है जो सियाचीन के नाम से जाना जाता है **1978** की सालमें जर्मनी के दो साहसवीरोने नुब्रा नदी में तब रिवर राफ्टींग का आनंद उठाने आये हूअे थे (हिमालय की काराकोरम पर्वतमाला में बची हुइ सियाचीन नदीका बर्फ गरमी की मोंसम में पीघलता है तब उसके पानी से नदी में राफ्टींग के लिये आये साहसिकोके साथ नरेन 'बुल' कुमार की मुलाकात हुई । काराकोरम पहाडे, सियाचीन हिमनदी अेवं नुब्रा नदी बहाव को दर्शाते हुआ अेक विस्तृत मानचित्र जर्मनो के पास था । ये मानचित्र मुल रूपसे अमेरिकन था, जिस को देखते ही नरेन्द्रकुमार अचंबित रह गये । जम्मु से लेके सियाचीन तक की और **1971** में भारत-पाकिस्तान द्विपक्षिय स्वीकृत की गइ **Line of Control (LOC)** अंकुश रेखा उस मानचित्र में गलत तरीके से दिखाइ गइ थी । इसके अलावा सियाचीन और उसकी आसपास का **10,000** चो.मी. का विशाल प्रदेश अमेरिका मानचित्र विशारदने पाकिस्तान में दिखाया था । अपने देश भारत की धरती का इतना बडा प्रदेश दुश्मनो की भूमि पर दिखाया गया जान के नरेन्द्र 'बुल' मूल रूप से तो फौजी ही थे उनका लहु अेकदम गर्म हो गया और धुँआफुँआ हो गये । उसने ये अमेरिकी मानचित्र साथ में लिया और वहाँसे तत्कालीन नइ दिल्ही के लिये रवाना हो गये । और खुस्कीदलके डीरेकटर जनरल अेम. अेल. छिल्लोर को और खुस्कीन सेनापति अेम. प्रकाश मल्होत्रा

को सारी बात बताई । डीरेकटर जनरल छिल्लरे ने बोला कि, आप ये विषय में क्या कर शकते है ? तब नरेन्द्र कुमारने कहा, में **LOC** की नजदीकवाले अेक पर्वत पर आरोहण कर के ये देख शकता हुं कि पाकिस्तानी सेना वहाँ पर मौजुद है कि नहि । मिशन जोखमकारक है । खुश्की सेनापतिने कहा कि, ''सियाचीनका मौसम जान लेवा है और ये बात भी ध्यान में रहनी चाहिये कि पाकिस्तानी सेना आप को बंधक भी बना सकती है । नरेन्द्र कुमारने कहा कि, '' मे ये सब जानता हुं और यह मिशन की सब जिम्मेदारी मेरी रहेंगी और आपको यकीन दिलाता हुँ कि आपको निराश नही होने दुंगा ।

गुप्तरूप से नरेन्द्रकुमार सियाचीनक्षेत्र के काराकोरम पहाडीयों की और नीकल पडे । ये सफेद दोझख में गरमी के मौसम में भी तापमान का पारा शून्य से नीचे **- 20** अंश सेल्सियस तक रह जाता है । जब सर्दी की मोसम में तो तापमान का ये पारा **- 64** अंश सेल्सियस तक पहुँच जाता है । **LOC** के नजदीक में रहा **24,000** फीट ऊंचे शिखर पर पहुँचकर देखा तो सियाचीन नदीकी दोनो और खडे हुअे पहाडे सुमसाम दिखते थे । पाकिस्तान की सेना का कोइ नामोनिशान नहीं था ये जानकर उनको थोडी शांति हुइ लेकिन ये अब आराम करने का वक्त नहीं था क्योकि न जाने कब दुश्मनो की फौज आकर उधर ही अपना डेरा-तंबू डाल दे और कब्जा करले उसका कोइ भरोसा नहीं था । इसलीये जब दुश्मन उधर आये उसके पहले ही भारतीय सैन्य को उधर पहोंचकर पहले अपने कब्जे मे लेना जरूरी है । और सियाचीन पर अपनी पक्कड मजबुत करनी जरूरी थी । लेकिन यहाँ पे सवाल ये था कि काराकोरम के हिम पहाडो तक भारतीय सेना के जवानो और अफसरो की ससस्त्र टूकडी कोन ले के जाये? ये काम सिर्फ हिमालय की पहाडीयों की हर डगर से वाकिफ अैसे नरेन्द्र 'बुल' कुमार ही कर सकते थे । थोडे समय के बाद के 'बुल' कुमार भारतीय सेना के चुने हुए श्रेष्ठ **70** जवानो अफसरोकी पल्टन को लेकर सियासिन हिमनदी के मुँह के पास पहुँचे । समंदर की सपाटी से करीबन **12** हजार फीट के लेवल से आरोहण शुरू कीया और धीरे धीरे हिमनदी की और आगे बढते गये और अनेको बर्फीले पहाडो को पीछे छोडते गये । शुन्य से नीचे कमसेकम **- 55** अंश सेल्सियस की असहय सर्दी, हिमवर्षा,

हिमझंझावात, हिमप्रपात, सेंकडो फीट गहराइवाली कोतरे, ओक्सिजन की कमी, घूंटने तक खुंच जाये इतना बर्फ जैसे अनेको कठीनाइओ 'बुल' कुमार और सेना के जवानोने पार किया ।

लगातार 8 मास सियाचीन के शितागार में रहकर 'बुल' कुमारने रिया कांगडी 24,350 फीट, साल्टोनेरो कांगडी 24,350 फीट इन्दिरा कोल 24,493 फीट अैसे शिखरो की गगनचूंबी हिमजटाओ में भारतीय तिरंगा लहरा दिया, थोडे समय पहेली ही सियाचीन का गुमनाम पडा हुआ और किसी के कब्जो में न पडा हुआ फीरभी पाकिस्तान के मानचित्र में समाविष्ट हुआ 10,000 चो.मी. का प्रदेश भारतीय तिरंगा ही छत्रछाया में आ गया था ।

अब चौंकने का समय पाकिस्तान का था । केप्टन 'बुल' कुमार और उनकी जांबाझ पल्टनने सियाचीन जेंसे विषम, कठीन और दुर्गम शीतागार में आठ-आठ महिना बीताकर बताया ये बात पहले तो पाकिस्तानी लश्कर के अफसरो के राश ना आइ और ये बात वो लोग मानने को बिलकुल तैयार नही थे, पाकिस्तान सेना के अफसरो अचंबित रह गये की ये कैसे हो सकता है अैसी कठीनाई भरी परिस्थितिया जो धरती पे सफेद दोझख कहलाती है वहाँ भारतीय सेना आठ महिना लगातार रही और भारतीय तिरंगा वहाँ पे जमा दिया । बादमे पाकिस्तानी वायु सेना अफसरोने हवाइ मार्ग से सर्वेक्षण किया तब सिया कांगडी, साल्टोकरो कांगडी, इन्दिरा कोल जैसे पर्वतो पर भारतीय ध्वज लहेरा दिखा ये सब देख के पाकिस्तान के अेक अफसरने ना लेशी महसुस की ।

सियाचीन पर पाकिस्तान का कब्जा जमाने के लिये उन्होने अेक खुफिया मिशन चलाया । इस मिशन को 'ओपरेशन अबा बील' नाम दिया गया । इस मिशन को लीड करनेवाले पाकिस्तानी अफसर का नाम था परवेझ मुसरफ अेप्रिल 1984 में 'ओपरेशन अबाबील' के नामसे पाकिस्तानी सेना के जवान सियाचीन में उतरे तो सही लेकिन आगे से यहा के पहाडो में व्युहात्मक तरीके से मौजुद और सावधान रहे हमारे जवानो ने दुश्मनो का जमकर स्वागत कीया और वहा से 'ओपरेशन मेघदुत ' के नाम के मीशन के तले दुश्मनो मे पहाडो छोडकर भागने पर मजबुर कर दीया ।

आज की तारीख में सियाचीन के उतुंग पहाडो में भारतीय सेना के स्थान एकदम मजबुत है । उसमे श्रेय 'ओपरेशन मेघदुत' से दुश्मनो के साथ वीरतापूर्वक लडनेवाले परमवीर बानासिंह मुलातानी एवं अहमदाबाद, गुजरात के केप्टन निलेश सोनी जैसे सेंकडो सपूतो को जाता है । तो दुसरी ओर एक भी गोली चलावे बिना 10,000 चो.कि.मी. प्रदेश दुश्मनो के हाथ में जाने से बचा लेनेवाले केप्टन नरेन्द्र 'बुल' कुमार की समय सूचकता को सो ....... सो ...... सलाम क्युँकी उनको वो जर्मन साहसवीरो के पास से मिले हुअे मानचित्र के बारे में उनकी अहमियत को देखकर तत्काल अपने ऊपर क अफस

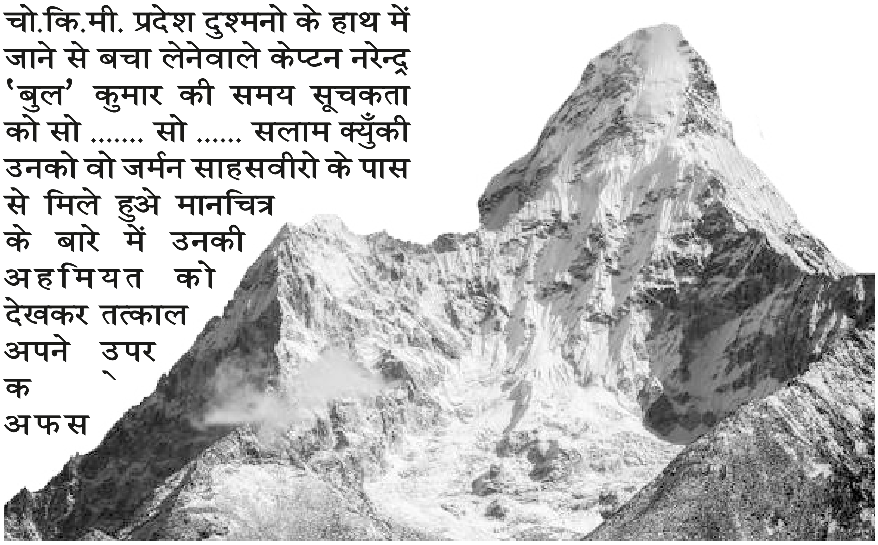

रो का ध्यान खिंचा और इतने बडे प्रदेश को बचाने के लिये अपनी जान हथेली मे रखकर, हाड थिजाने वाली सियाचीन की दुर्गम कोतरो में पहुँचकर वहाँ का जायझा लेकर अपनी सेना के वीर जवानो को उधर तक पहुँचाकर अपना भारतीय तिरंगा लहराया । ये सब पराक्रमो और कार्य को देखकर भारतीय सेना और भारत सरकारने कर्नल नरेन्द्र 'बुल' कुमार को उनकी निःस्वार्थ देश सेवा, साहस और वतन परस्ती के लिये ' परम विशिष्ट सेवा मेडल 'किर्तीचक्र', ''पद्मश्री'' ''अति विशिष्ट सेवा मेडल'', ''अर्जुन पुरस्कार'' जैसे सन्मान देने वाले खिताबो से नवाजा है और उसकी देश सेवाकी योग्य कद्र की ।

और हमे भी गर्व है हमारे नरेन्द्र 'बुल' कुमार जैसे जींदगी के असली सुपर हिरो और अैसे हजारो सेना के वीर जवानो पर ........

'' जय हिन्द ''

●●●

# हार्ट के लिए हेल्घी फुड

आज के दौर में मानवी को अपने परिवार के पालन-पोषण के लिए बहुत ही महेनत करनी पडती है । पहले के जमाने मे पूरे परिवार में सिर्फ एक आदमी कमाता था और परिवार के बाकी आठ-दश लोग बेठे बेठे ही खाते है । आज ऐसा नही है । परिवार भी छोटा होता जा रहा है और छोटे परिवार में भी कमाने वाले दो-तीन लोग होते है, तब यह महंगाई दौर में सभी को खाना नसीब होता है । इस के चलते कमाने वाले लोग सतत भागते रहते है और पुरा दिन काम कर के जब घर पर वापिस लौटते है तो वो बिचारा ना आराम से खाने के लिए भी नही रूकता जल्दी जल्दी में मन में टेन्शन चल रहा होता है और वो मानसिक रूप से एकदम परेशान हो जाता है । परिवार के पालन-पोषण और जिम्मेदारी निभाते निभाते वो इतना थकान महेसुस करता है कि उसका दिमाग और शरीर जवाब दे जाता है और पुरी तरह से 2, घंटे बिमार ही रहता है, मानसिक तौर पे खास ।

## स्वास्थ्य

सतिष सोलंकी

ऐसे हालतो में वो बेचारा अपने बारे में के अपने सपनो या अपने स्वास्थय के बारे में सोच भी नही शकता और ऐसे हालातो में ऐसे व्यक्तिओ को दिल की गंभीर बिमारीयाँ भी हो शकती है ।

दोस्तो, आज की भाग दोड वाली जींदगी में हम सब जीते है और सब को अपना अपना काम सही तरीके से करना चाहीए ये भी सही बात है । लेकिन परिस्थितियाँ में हम अने स्वास्थ्य के बारे में बिलकुल बेपरवा हो जाते है । शास्त्रो में लीखा है अपने स्वास्थ्य को पहले प्राधान्य दो क्योंकि जब मन और शरीर से स्वस्थ है तो सही तरह से जी शकते है । तो दोस्तो आज हम आपको आपके दिल को स्वस्थ रखने के लिये कुछ ऐसी सबजीयाँ या फ्रुट या खाने के बारे में आपको बताने वाले है जिस से आप अपनी भाग-दौड वाली जींदगी में अपने दिल को स्वस्थ रख शकते है और अपने परिवार की जिम्मेदारी बखूबी निभा सकेंगे ।

दिल को स्वस्थ रखने के लिए अपने रोज के खाने में कुछ ऐसे खाध पदार्थो को सामिल करना बेहद जरूरी है । खाने में पुरी मात्रा में ऐसे पोषक तत्वो को सामिल करने से आप दिल की बिमारी से दूर रह शकते हो । हृदय रोग कि संभावना को ऐसे पोषक तत्व बहुत ही तरह से नष्ट कर देते है ।

चलो फिर बात करते है ऐसे पोषक तत्वो की

**(1) हरे पत्तेवाली सब्जीयाँ :-**

पालक, मेथी और मुली के पान जैसी सब्जीर्या हृदय रोग और केन्सर जैसी गंभीर बिमारीयो के जोखम को कम करती है । एक संशोधन के अनुसार, यह खाध तत्वो में वसा, केलरी कम होती है और फाइबर कि मात्रा ज्यादा होती है । ऐसी सब्जीयाँ में फोलिक एसिड, मेग्नेशियम, केल्शियम और पोटेशियम तत्व होता है । पतेवाली सब्जीयाँ सेवन करने से दिल कि बिमारीयो में 10-12 % कमी हो जाती है ।

**(2) सेब :-**

सेब में क्युरसेटीन होता है जीसमें एन्टी फ्लेमेमेटरी गुन होता है । सेब खाने से लहु के गठ्ठे बनने में बाधा आती है । इसलिये दिल का दौरा पडने की संभावना कम हो जाती है । विषारद लोगो मानते है कि सेब, वेकिटन जैसे फायदेवाले फाइबर्स सामेल होने से रोजींदा नियमित खाने से सेब खाने दिल के दौरे, केन्सर, हाइपरटेन्शन, डायाबिटीस के जोखम कम हो जाते है ।

**(3) बेसन का आटा :-**

विशेषज्ञो की राय के मुताबिक बेसन के आटे में दहनशील फाईबर मौजुद होता है जो दिल के स्वास्थ के लिए बहुत ही अच्छा है । बेसन में समृध्ध फाईबर भी मौजूद होता है जो कोलेस्ट्रोल के लेवल को नियंत्रित रखता है और दिल के काम करने में एवं लहु के सरक्युलेशन में मदद करता है । हप्ते में एक बार नास्ते में

बेसन के आटे का चील्ला, ढोकला, दो पहर के खाने में बेसन के आटेवाली कढी, गुडवाली मिठाई और बेसनयुक्त रोटी और खाखरा खाना चाहिए।

(4) दलिया :-

दलिया में बहुत मात्रा में फाईबर होता है, जीसके खाने से कोलेस्ट्रोल का लेवल नियंत्रित रहता है। दलिया में भरपूर मात्रा में केलशियम फोलेट, पोटेशियम, फोस्फरस, थाइमीन, कार्बोटाइडेट, जिन्क, मिनरल्स, विटामिन्स, आर्यन, प्रोटीन भी होते है। दलियां के सेवन से शरीर में ताकत और स्फुर्ति का संचार होता है।

(5) नीम :-

नीम में एन्टी ओकस्डन्ट बहुत मात्रा में होता है । जो एल.डी.ए. कोलेस्ट्रोल (खराब कोलेस्ट्रोल) से उत्पन्न करनेवाले कोलेस्ट्रोल ओक्सीकरण से बचत में मदद करता है। नीम के सेवन से अच्छे कोलेस्ट्रोल की मात्रा बढती है। जो दिल के दौरे पडने से बचाता है। इस लिए रोजींदी बनने वाले दाल-सब्जी में नीम का होना बेहद ही जरूरी है।

(6) छास :-

छास हल्की और पचने में सरल होती है। छास में रहे हुए गुण बूरे कोलेस्ट्रोल के लेवल को कम करती है और हानिकारक ब्लड लेवल को नियंत्रित कर के दिल के दौरे पडने से बचाती है। रोजींदे खाने में या नास्ते में छास का सेवन करने से फायदा होता है। खाना खाने के बाद छास का सेवन से फायदा होता है। आप सब्जीयाँ या रायता मे भी दहीं-छास को सामील कर शकते है।

(7) शुद्ध देशी घी :-

इस में चरबी की मात्रा पाई जाती है । साथ में मोनो अनसैच्युरेटेड ओमेगा फेटी एसिड भी भरपूर होता है। विशेषज्ञ कहते है कि रोजींदे खाने मे इसका समतोल मात्रा में सेवन करना बहुत ही जरूरी है, देशी घी के सेवन से बूरा कोलेस्ट्रोल की मात्रा में कमी आती है।

लेकिन एक बात याद रखनी चाहिए कि दिन में देशी घी का **2** चम्मच से ज्यादा मात्रा में नही होना चाहिए। देशी घी का उपयोग दाल, चावल, रोटी में करने से शरीर को बहुत ही फायदा रहता है।

दोस्तो, यहाँ बताए हुए खाध पोषक तत्वो का नियमित रूप से सही मात्रा में अपने खाने में उपयोग करने से आप दिलो-दिमाग से स्वस्थ एवम् तंदुरस्त रह शकते है और होने वाली दिल की और केन्सर जेसी खतरनाक बिमारी से दूर रह शकते है। आप भी जानते ही है की हेल्थ इस वेल्थ ...।

बेस्ट ओफ लक

# मुंबई के अंडरवर्ल्ड की खोफनाक बातें

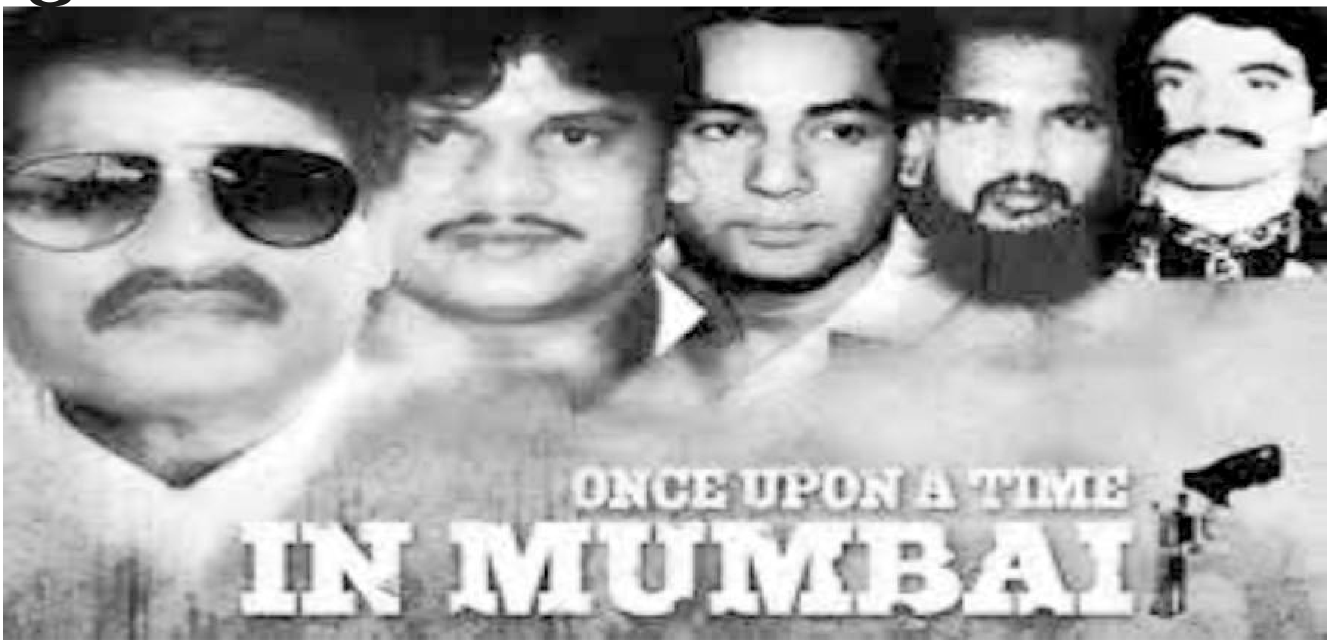


दोस्तो, गतांक में आपने पढा की करीम सिद्दीकी का भतीजा और दाउद का बेहद करीबी दोस्त हमीदने बेहद बूरी तरह से पीटा था । ये बात से दाउद गुस्से से बोखला उठा । उसने ठान ली की आज हमीद को सबक शीखाना ही पडेगा । वो हमीद के पास पहुंचा और उसने हमीद को चेतावनी दी की आज तुं बासु दादा की वजह से बच गया अगर आगे से अैसी गलती की तो जान से मारदुंगा । हमीरने दाउद की आंखो में अपनी मौत देखली । वो बोला दाउदभाइ कुछ गलतफहमी हो गइ है । और फीर वो वहां से भाग नीकला । उसको मालुम हो गया की ये बात बाशु दादा को कीसीना कीसी तरह से मालूमतो पड ही जाएगी । उसने दादा को ये कहकर उकसाया कि दाउदने आपनो मा–बहन की गाली दी है। ये सुनकर बाशु दादा एकदम गुस्से मे आकर चिल्लाया, बुलाओ ईब्राहीम, शबीर और रहीम को । वो सब सामने आ खडे तो बाशुने अपमानजनक और गालियों से भरे शब्दो में बात की और धमकाया । इस के बाद तब दाउदने कसम खाली की अब ये बाशु दादा की सल्तनत और अझमत के धुल मे मिला देना है ।

अब.... आगे.... डोंगरी इलाके मे दाउद लगातर ताकातवर होता जा रहा था । वह अभी एक लडका ही था जब की उसने अपनी काबेलियत और पैनी अकल के साथ अचुक तरीके से योजनाए बनाने की लियाकत से लोगों को हैरत में डाल रखा था । यंग पार्टी भी मशहुर होने लगी थी और अब उसकी गतिवीधयां इद–ए–मिलाद के उन जुलुशो तक सीमित नही रह गइ थी जिनके साथ उसने शुरूआत की थी । अब वह पैसे एठने के लिए कुख्यात हो चुकी थी । वे अब गरीब परिवारो की शादियो और कफन दफन के खर्चों की पूर्ति के नाम पर हनीफ कड्डा और सइद राजी उर्फे रज्जु के साथ मिलकर कुछ ही जुने लोगों से नही बल्कि साथी से पैसे एठते थे । रइसो से कहा जाता था की वे गरीबो की शादियो कें लिए तैयार किए कोष या कफन दफन के खर्चो के लिए या तो 'दान' दें, या फिर दाउद के खोफ का सामना करे । कुछ तो लोगो के जजबातो का और कुछ अपने आतंक का फायदा उठाते हुए, दाउद और उसके साथियोंने जालसाजी की पक्की योजना बना ली थी ।

बेशक यंग पार्टी मौलाना जिया–उद्दीन–बुखारी के मंसूबो को आगे बढाने के लिए बनाइ गइ थी । लेकिन बुखारी का अब यंग पार्टी से कोइ तालुक नहीं रह गया था और पार्टी खुद ही अपराधिक गतिविधियों का मंच बन चूकी थी, भले ही ये गतिविधियों अहिंसक किस्सम की थी । वह घटना उस वक्त १९७४ के आसपास की थी, जब बाशु ने इब्राहीम कस्कर और शबीर की बेइज्जती की थी । जिस मुश्किल का सामना दाउद वाकइ अपने पिता और भाइ से बहुत प्यार करता था । वह कितना ही निडर कयों न हो, जहां उसके पिता और

भाइ का सवाल था, उनकी मौजुदगी में उसका सिर प्यार और इज्जत से हंमेशा झुक जाता था । बाशु जो एक नीच गुन्डा था, उसने उन दोनों को जलील किया था, वहाँ तक कि वर्षो से जो एहसान वह करता आया था उन को भी उसने गिनाया था। दाउद ने जितना ही इसके बारे में सोचा था, वह हिसाब से उसे उतना ही गलत लगा।

वह अच्छी तरह से जानता था कि बाशु पर उसके पिता के कितने एहसान थे । बाशु की तस्करी का अनगिनत सामान इब्राहिम कास्कर की मदद से छुटा था । जब बाशु का माल गोदी मे पकडा जाता, तो ईब्राहीम हंमेशा कइ-कइ दिनो तक घर से बाहर रह कर उसको छुडाने के लिए तरह तरह की सौदे बाजीया करता अहेसान मोल लेता फीरता था । उसके पिताने बाशु को अपनी मर्सीडीझ और सफेद रंग के खास जूत खरीदने के लिए करोडो रूपिये बनाने में मदद की थी । जिसके बदले मे बाशुने दाउद के परिवार को समय-समय पर मामूली सी खैरात दी थी। और उन जरा से पैसो के लिए उसने दाउद के परिवार को बेइज्जत किया था। इसे किसी भी हालत में मंजूर नहीं किया जा शकता था।

रहीम चाचाने उसे समझा-बहलाकर शांत करने की कोशिष की, '' गुस्सा अच्छी बात नही । बाशुभाई के पास जाकर उसकी गलतफहमी दुर करो । '' लेकिन उसके उपदेशो का जरा भी असर दाउद पर नही हुआ । और वैसे भी दाउद कभी भी दूसरे के सुझाए हुए रास्ते पर चलने को तैयार नहीं था । वह जानता था कि बाशु को मरना होगा । बहुत ही ठन्डे आवाझ में जो अपने आपमें डराने वाला था, दाउदने टेढा जवाब दिया, ''बाशुभाई को ये बात बहुत महँगी पडेगी । '' इन शब्दो को सुनके रहीम चाचा सुन्न रह गये।

जुमे की नमाझ अभी-अभी खत्म हुइ थी और वह शुक्रवार की तपती दोहपर का 2 बजे का वक्त था। बाशु दादाने मस्तान तालाब के करीब की एक मस्जिद मे अपनी नमाझ अदा की थी । दाउद और उसके गिरोह के लोग बाशु के इन्तजारमे थे। हनीफ कट्टा, रज्जी, सुल्तान, अबु बक्र और शबीर उसके साथ थे । शबीर बाशु पर वार करने के पक्षमें नहीं था। उसे बदले कारवाही का डर था और ये बात उसने दाउद को कही भी थी लेकीन दौद ने मन बना लिया था। वे सब एक साथ जे जे स्कवेर से थोडे ही आगे पीरखान स्ट्रीट पर खडे थे और मेहराबी गलियारे से बाशु के जाने का इन्तजार कर रहे थे ।

उन लोगो को लम्बा इन्तजार नहीं करना पडा क्योंकि दाउदने पूरी कारवाइ का बहुत बारीकी से इन्तेझाम किया था । उसने थोडी ही देर में बाशु और उनके पेहलवानो को आते देखा । दाउद की हिदायत के मुताबिक गिरोह ने डोन पर सोडावोटर की बोटलें ओर इस्तेमाल किए हुए बल्ब फेंकना शुरू कर दिया । हथियार के रूपमें सोडा वोटर की बोटलों का उपयोग पहलीबार हो रहा था । बहरहाल, गिरोहने लगातार बोटलें फेंकना जारी रखा, कोइ कोइ बोटले तो वहाँ से गुजर रहे राहगीरो पर पड रही थी।

अगर आसपास के लोग सहमे हुए थे तो दूसरी और बाशु भी यह हमले से सन्न रह गया था । पहली बात तो ये भी कि आजतक किसीने बाशु दादा के पर हाथ भी नहीं उठाया था और उस से भी बडी तौहीन की बात यह की उस पर हमला करने के लिये हथियारो के तौर पर सोडा वोटर की बोटले चूनी गइ।

ये अचानक से हुये हमले से बाशु चौंक गया था । लेकिन उसने कैसे भी करके अपने आप को संभाला और दाउद से अकेले ही दो-दो हाथ करने का फैंसला किया । बाशु जानता था कि उसकी ताकत के आगे दाउद का कोइ मुकाबला नहीं था और दाउद भी यह बात अच्छी तरह से जानता था । उसे ये बात का अंदाजा पहेले से ही था की बाशु अैसा भी कर शकता है । उसलिये अैसी नोबत आये उस से पहेले से ही उसने खास तौर पर बाशु को निशाना बनाना शुरू कर दिया था । वह बाशु पर लगातार सोडा वोटर की बोटलें फेंक रहा था । उसके गिरोह के और लोगों ने दुसरे पहेलवानो पर निशाना ले कर सोडा वोटर की बोटलें फेंक रहे थे।

आखिर एक पहलवान किसी तरह काली मर्सीडीझ को पार्किंग की भीड से निकाल कर ले आया । बाशु और उमर पहलवान अबतक गम्भीर रूप से घायल हो चूके थे, और बाशुने अपनी तरफ मर्सीडीझ आते देखा तो उसे लगा कि ऐसी हालत मे जब की ये लोग उन पर इस तरह काबिज हो चुके है, वहाँ से निकल जाने में ही अक्कलमन्दी है । डोन और उसके पहेलवान कार मे घुस गये, वहाँ तक कि कुछ को खिडकियो के रास्ते कार में घुसना पडा।

दाउद और उसके लडको ने बोटलो और बल्बो का अपना हमला जारी रखा । वहाँ तब कि जब गिरोहबाज भागे तो लडके कार की पिछली खिडकी और टेल लाइटस तोडने मे कामयाब रहे, और इस महेंगी कार की भडकीली सूरत को भरपूर, तसल्लीभर, बिगाडकर रख दिया। (क्रमशः)

**(सौजन्य : एस.हुसैन झैदी)**

●●●

*Best Wishes To...*

**CRIME FORCE**

ABH

INFRACON

Govt. Approved Contractor

## Construction in Railway & Other Departments

**Babulal Sojitra**

Mo. + 99980 33650

**Akshay Sojitra**

Mo. + 95370 36188

ABC -1, Office No. 320, ABC Circle, Mota Varachha, Surat - 394101

E-mail : sojitraakshay72@gmail.com, Abpatel1368@gmai.com

*Best Wishes To...*

**CRIME FORCE**

**Mahesh Mehta**
Partner

# PADMA GEMS

*"Excellence in Every Facet..."*

DW-4051, 4th Floor Bharat Diamond Bourse,
Bandra Kurla Complex, Bandra(E),
Mumbai - 400 051, India.
E-mail : info@padmagems.com

**Mob.** : +91 98200 39673
**Tel.** : +91 22 40223232
**Fax** : +91 22 20832522
**Skype** : padmagems
**Raponet** : 61748

**Website :** www.padmagems.com

॥ राष्ट्रदेवो भव: ॥

# Falcon®

A MACHINE FOR MANKIND

Since 1994

# Smart Water Pumping Solution

## Why Falcon?

- 20% to 40% Electricity Cost Saving
- 20% More High Discharge
- Pumpset becomes Free After 5 Years
- Affordable Maintenance Cost
- Uniform Performance all round The Years
- Fastest Supply & Door Step Service

## Our Strength

- Inventor of S.S. Technology Pumpset
- World Class Product Design
- CED Coated CI Parts
- World Class High Quality Raw Material
- Advance Inspection & Digital Testing Facility
- Highest Mechanical Warranty

*Condition Apply

DEALERSHIP INQUIRY SOLICITED +91 90999 00730

www.falconpumps.in | info@falconpumps.in | 1800 123 0000

Chale Pragati Ki Aur®

**Falcon Pumps Pvt. Ltd.** - Rajkot, Gujarat

शिवसेना

'क्राईम फोर्स' मासिक के हिंदी संस्करण को मेरी और
**शिवसेना** पार्टी की और से ढेर सारी शुभकामनाए !

**श्री. एकनाथ शिंदे**
मुख्यमंत्री, महाराष्ट्र राज्य

If Undelivered, Please return to :

Raj Complex, Opp. Star Plaza,
Fulchhab Chowk,
Rajkot - 360 001.

To,